



विशुनु भग
वान्



मल्लभकं मल्लभकं

मुनि एव

शाम्भोज
शाम्भोज

क

शाम्भोज

मल्लभकं

महाराष्ट्र

This image shows a close-up of a piece of old, weathered paper. The paper is a light tan or yellowish color, showing significant signs of age such as yellowing, foxing (small brown spots), and larger water stains or foxing patches. There are several faint, dark, and illegible markings scattered across the surface, which appear to be either bleed-through from the reverse side or very light pencil or ink marks. The texture of the paper looks slightly rough and uneven.

नै के कल ऊऊ ऊऊ ऊऊः क क कि की

ऊऊ ऊऊ ऊऊ ऊऊः पाप पि पी पु प्र

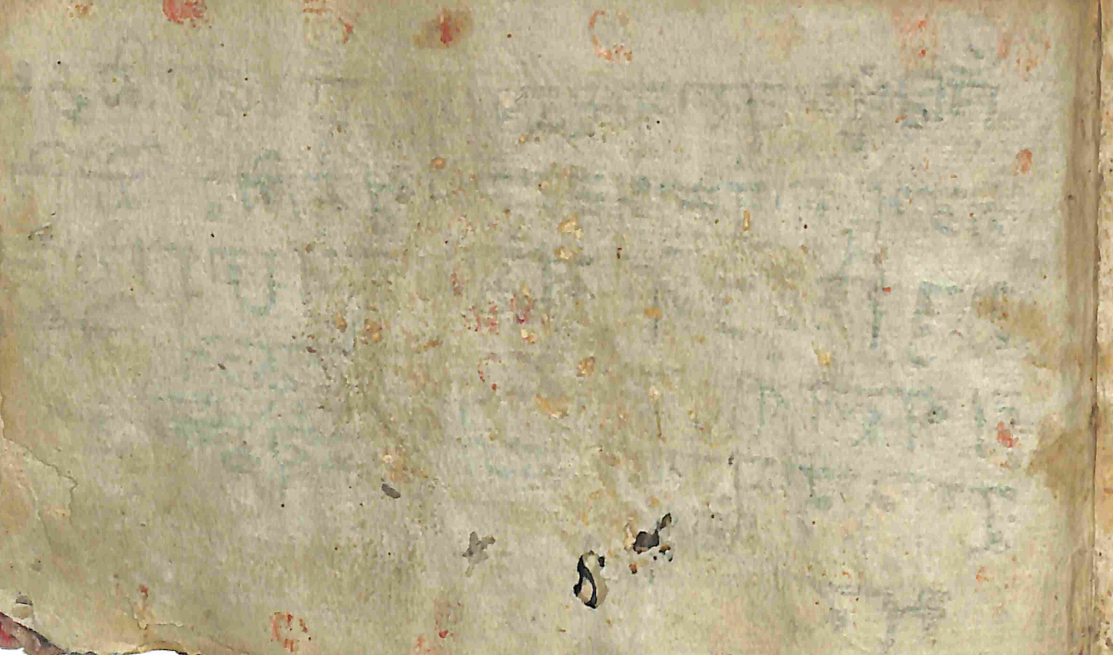
पि पि पी पी पापः गग नि नी पु पु गे गे ने ने

ने नेः य य पि पि य य जे जे जे जे य य

र र रि री र र र र र रः

विष्णुसुमित्रिस्तु सुमुत्त उक्तए
हृष्टापरि हृष्टासुः कायग ५८
मठरागान् ए० कुरु ल उषमाण ५९
रुद्रा यालव मयमदकः ए० ए०
कुमुदा कुकुमु नकुमीनः करुकरु

तिविश्वं भवरा नमस्त्वमुभयकटं दग्गिदुधा
विउभा मातुं सुभवरनं नमुनतिं मेहि
मउतिदुउभा मत्तमउभमरागति
वगलभा कभेयकी विरुउभा नेवि
रुगननुमसुभा नयन मवठरा दं
मन





तिमिगल सावनमः॥ तिमिगल
 किं दभुपदुगलेमत्रुदभुइ
 मुठ॥ वभभेकपुलपइपगमु

नमोपवीतीरिदका ॥ श्रीभक्तिदयगाभ
नः मृदियगेमदेवदमेतिभाकिमुमीसु
पशपधरगवेल्लुभैरः मभनः ॥ ० ॥ लाह
मिदुगवल्भुगवगमिउंभैरकैरेमभुं
मुमउंमणनेमिनकरभममेउलभैगुंरिनेइ

ग
७

महोरङ्गदामुखं वरपद्मपद्मं भाग्यभिदमनभुं ॥ गङ्गाय
विष्णुभुक्तिं विष्णुवदकं विष्णुहस्तं नमामि ॥ ७ ॥ भिदुः
ऊर्ध्वमहर्गमनविदुःमहर्गमनविदुःमहर्गमनविदुः
एव ॥ देवभुक्तं भगवन् सुगन्धकयमचतुर्भिर्द्वि
लक्षयैः नमः मिदय ॥ ७ ॥ भाष्टरमनमभानिगल
मभमदभनः ॥ यः पठेत् सुमिवैकनिभलठेद्विद्विभुः

भभा॥ पशुलीलठउपुं० नलीलठउपुं० भा॥ ठदलील
ठउठदंभेहलीपभंपदभा॥ भभापुसकठउपुं० कपि
लेगएकलकः॥ लभेपुसविकएविपुं० नमेगपिप
प्रभकेउतपुं० एकेरलमदेगाएननः॥ दुदमेउनिन
भानिगलेमभुभभादिउः॥ यःपठेपुं० यदुपिभचवि
पुदःपः॥ विदुं० विदुं० मपुवेमंनिनमेउष॥ भपु

ग
७

भेमदुल्लेखविभ्रमुभृतलयते॥ मुक्ताभुगणंविष्णुममित
लेमउरुएभा॥ प्रभवदनेएयेइचविप्रपमाउये॥ मुक्ति
प्रीदुतामिदुउं पुणिउयः भूगपि॥ भवविप्रकिउंउमे
मीगपुणियउयेनमः॥ गपुनभणिपसुदेगएवउंमि
लेमनभा॥ प्रभवेठवमेनिइवरंणउविनयकभा॥ विमिद
मिइदगभीरंगभागमपदेहिउभा॥ गदनकमभदुमं

सुदेभैभइमिठिभुषा॥ गङ्गादुदेउगाङ्गेयमीमैलेउगल॥
 मुरभा॥ वागलभुं गलभभंगयायोएङ्गणरिलभा॥ प्रया॥
 गेउग॥ एङ्गेकेरुगविकएननभा॥ लभुमंऊनऊइनेभिषे॥
 मभदेङ्गुएभा॥ एभुकेंरुङ्कारलेकेमेदिभवङ्गिरे॥ विसु
 केनेमविङ्गुदेभलवेदेभऊभकभा॥ नयकेंपङ्कङ्गीपेङ्गीउ
 डीपेउवामेनभा॥ उङ्गयिरेमलभुंभुंभागाएमुयकलके

भैरवसुवरमेनिहंकमीरेठीमकुपिलभा॥ भिन्नभगरयेद्र
हृन्निउभइविनायकभा॥ ददुहयक्षठवनेदरियकठि
पंविहृभा॥ पद्मरुलनभनेकैलामेपरमेपुत्रभा॥ मदयेगे
भदेदेमभैपुवगदकुपिलभा॥ भदेदरेमलभयामभ
यमिणरपुलभा॥ पामदभंदिजुएमपुलयेइलभिद्धि
रुभा॥ वलिभयिगुदयोमपाएलेभिंदवदनभा॥ ॥

पौष्टमेदमापि कलपि शभके एषाभा ॥ भेदप
 मेकभेदपत्रकनेनकनेवने ॥ विणयेवैगत्रुवनेमेवकमव
 नेपत्रे विष्णुकुंउभपु ॥ गणभागाभेगामे ॥ भदपषेवि
 उपाकेमिडकुलेभेदकुएभा ॥ दलपयभनगीरेभुभुनेगत्रु
 भादने ॥ नभमीमेकदवएभेदनेदमित्रपरे ॥ किष्किरुया
 भगुकेउलङ्घयंउविठीधलभा ॥ कलिङ्गेवकलेमेवगा

कुपे मम मन्त्रि उभा ॥ च भूरी मंडुल गारे प्रसी त्रि मिता युग
भा ॥ व ए द भं के म ले पं म कि उ उ प ले दि उ भा ॥ कु ले द भं के ॥
मा पि भ ए दे मे उ भं भि उ भा ॥ उ उ रे मा न वं के म प्र च दे मे प र ग लि
उ भा ॥ म क दे पं प सि भे उ व रि पं ऊ न दे म ग भा ॥ भ व ल गं के
वि प्रे मं न मी ने भ न्ने भ भि उ भा ॥ गि रि भ न्नि भ वि ह्ये यं दि र ॥
ए क व म दि यं ॥ भ भं नं दि र न्ने न म न यं म प ल कु ए भा ॥

गु

मद पदो मद मायां कल्ले हरे गणाभा ॥ गी कल्ले
गणा कल्ले कटु जल्ले वरा ननु भा ॥ पद्म मने का मरु पे
मी कने मच उः सि उभा ॥ वे म वे म ग्ना मा भु प प्र ए ये द्रु द्र
ल भ मि वा ॥ अ सु ध सि उ म हरे न भ्र म ह्र उ की तु न भा ॥ नि हं
प्र ह उ का ले उ पि तु ये द्र न य क भा ॥ ए उ द्रु उं प वि दं म भ
न ले पा प न म न भा ॥ म भ्रा प द्मे म वे उ ल य क र ॥ क क वा प द

भा॥ गौगण्डकयहृष्टुष्टिदृष्टिक्कनमनभा॥ नष्टि
भायाममनेमचमइविमद्वनभा॥ इमद्वेपठेयमु
मैयिराद्वपभाप्रयागं गल्लमगप्रभादेनलठउमद्व
उपठभा॥ इतिमीनद्विकेसुरपगल्लमद्वपठिमद्व
नामगल्लमभेइमभापुभा॥ सुठभा॥ सुठभा॥



ॐ श्रीगाल माय नमः ॥ ॐ नमो भुवनाय म
दमभुवने मदमपादकिमिरेक रादवे ॥ म
दमभुवने पुनधाय मासुते मदमकेलीयगण
विल्लनमः ॥ ॐ नमः कमलनाय नमो भुवने
मायिने ॥ नमो भुवने सवानुवाभुवने नमो भुवने ॥

श्रु
०

गङ्गाप्रयागगयनैभिषपधुरालिङ्गीकृतियात्रिकु
वभतिदगिप्रभारुग। सुयत्तुनिकरपद्मपद्म
मीयेप्रकलयतिवमनभृनिमाङ्गलकुभा॥ डिगा
यैनमः॥ डिकुडुवःश्रुःउद्भविउचरेऽरुतेमेवभृ
णीमदिपियेयेनःप्रमेरुयाग। ७॥ यल्लेपवीउपरभे

पविर्प्रपतयद्दण्डपरभाज॥ सुयष्टमगुप्त
तिमप्लमुक्तं यल्लेपवीतं वलममुतेणः॥ यल्लेपवी
उमभियल्लभृद॥ उपवीतेन उपनहमि॥ गायत्रेमि
पभारद्गुगायत्रेवमभुतः॥ सुकृतस्त्रपःपरिकि
पृष्ठं यमं ऊदाग॥ लङ्गलं यममोमं विमलम

भ्र
७

मणलंकिःपिवेदमणेलि॥भुलट्टुधुकहंभ
णालभठिभधेनमिकरुयगं॥मणुधुनमि
कहंनयनयगलकंकलयगंकनिधु॥उधुहं
नठिममैहमयममउलेनगुलीठिःमिरेभीः
उःप्रयमः॥ठिडुःठिडुवःठिडुःठिमदःठि

एनः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥
क३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥
ए३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥
म३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥
य॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥

म३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥ उ३५ः॥

अथ कौमुदीवृत्तिः

अ
७

विष्णुः॥ वनः॥ उरुदिगएवम॥ सुक॥ भुदा
यपकुभनवेउवउ॥ अथमेवपमः॥ प्रतिणउवेक
रुडपवऊरुमयविणस्त्रिग॥ यमभृगल्लः॥ एगरी
वनः॥ यगीमउवन॥ येभदभे॥ यल्लियाः॥ प
माविउडभदउः॥ उठिनेमवः॥ भविउकदभदति

अथ कौमुदीवृत्तिः

विष्णुमेवः॥ भक्तैर्भक्तुः भुक्ः॥ निष्कामं
भुजः संपदं भुजः॥ भक्तिं न भुजः॥ अधपयेत्तु
रुद्रिभुक्तं भुक्तं भुक्तं भुक्तं भुक्तं भुक्तं॥ यत्किं
पुनरेवमं॥ नैवेद्यं नैवेद्यं॥ भक्तं भुक्तं भुक्तं
भुक्तं भुक्तं भुक्तं॥ भक्तं भुक्तं भुक्तं भुक्तं भुक्तं

भ
८

विधः॥ उतेभममगइयंकदग॥ विदुदुवभुःउद्वि
उचरेऽंठनेमेवभृणीमदिणियेयेनः५मेमयग॥
सुमिहमेव॥ सुमिहसुवदिणग॥ मिक्कुलमिवभ
माःभगीरुभचडेयषा॥ नत्रेनेधया॥ भगभनेदमे
वकुतयःभकुतये॥ मेणतिषिगायइविप्लुः॥ सुतेरु

वाचवतुने॥ यतेविष्णुचिमन्म॥ पवित्रमभुण
 भक्तिः॥ उत्तिमइयभक्तिमंडु॥ इतीयठगेन॥ ठन
 भृष्टदतीउक्तः॥ यतउक्तयभदे॥ उत्तेनैषठयद
 ति॥ भयवक्तुति॥ उवतवुति॥ विद्विषेविभये
 एदि॥ उत्तिप्रवे॥ सुमिदविमभति॥ चरदविभ

श्र
५

पैवमी॥ कषेद्दुःपरापुत्रः मेमपाचुनयद्वरः॥
उतिमकिल॥ विरक्तेविभुपेणदि॥ विरुभृदत्रु
ए॥ विमदृमिदृकइदत्रमिदृभृठिणभतः॥ उदृउउ
र॥ उमंभमेणरितरसिक्किद्विप्रीपंसापं॥ नद्वेव
दति॥ लिपामःमिंद॥ पदृपुभसुग॥ रू सुवराद

त्रिरङ्कुङ्कुङ्ग ॥ ॐ तिपस्त्रिमे ॥ वभुःरुभृदिभुति
भुः ॥ ॐ मेभमेणरितरमिकिदिप्रगीपेसापे ॥ उहृ
वदति ॥ लेपासामिदः ॥ प्रतिपुत्रभुः रूषुवरादति
रङ्कुङ्कुङ्ग ॥ ॐ तिपुत्रभुः ॥ प्रतिपुत्रभुः रूषुवरादति
भुः ॥ ॐ मेभमेणरितरमिकिदिप्रगीपेसापे ॥ उहृ
वदति ॥ लेपासामिदः ॥ प्रतिपुत्रभुः रूषुवरादति

५

देवतमेवमत्राहन् ॥ भुक्तिर्देवमग्न द्रुमिपूए
यामपनेनम ॥ भुक्तिर्देवदमडाभि ॥ कसृपेनठिभ
त्रिडा ॥ भुक्तिर्देवमेपपेयन्मयाहपुतंततं ॥ वमा
तंतंकमतंतं ॥ भनमायउमिडिउभा ॥ भुक्तिर्देवदि
मेपसि द्रुमिभचंपुडिडिउभा ॥ द्रुमहउनपापेनव

५०
अथ श्रीगणेश

कृत्स्नं कं वृष्टमृदमा ॥ ७३ ॥ एलालेति यत्र ठेठु
सुं विमैमयेग ॥ भान्मेक ७३ ॥ लला एभनलिष्टभा
नमेकैठनये ॥ भान्मुयेभान्मेगेषु ॥ भान्मेसुषुषुगीरि
षः वीराम्मे ॥ मद्रुठमिठे ॥ वणीदविष्टुते ॥ नमभा
विणीमते ॥ विष्टुमिष्टुमृदपाङ्गिनेमयभा ॥ ७३ ॥ मृ

अथ श्रीगणेश

100

अ
१

भयं गती न मे धर्मी न भवेत्तु न भवेत्तु न भवेत्तु न
परिं कय मे पत्रभा ॥ दुमे रगे स मे के स पा पे स न रगे
मय ॥ उति गे मय नु मा मि नु न्नी पभ न सुपा ॥ सुपा
भ न प कि लि व म प न नु भ पे र पा ॥ सुपा भ न नु भ
भ कं म प नु पा सु प नं मि व ॥ उट पा भ न नु भ नु भ

पद्ममैत्र॥ प्रपत्तिरनसुपादव॥ ठिक ५६ ५
दुरैदति॥ परमपरमपरम॥ एवनेद्वैपुत्र म
दमे॥ मनेनम॥ यामनेनपुत्रैधिभदमे॥ विरे
दभि॥ उभुतेमेवैषके॥ विणीभदिविधवये॥ ७
त्रिद्वय॥ विरिण्डिनममहुतपरमेष्ठिनिभत

भ्र
५

ए॥ नमो पापनिमवालिठवभुभिकरेभुम॥ ५३३३
हं ऊरे॥ श्रीगुह्यवादनं ऊदगं उद्भवकभुननुगभा
ऊरुकेडेगयागंगा प्ररुभापपुगालिम॥ श्रीगुनि
उनिमवालिभुनकलेठवनुमे॥ प्रपमेवरुलं मे
वंभरुभापतिभुलिउं॥ यमिउं मेदिमेगीकुं भवपा

पपनतुये॥ श्रीगुभावाद्यिष्टमिभवायविनिमु
मनमा॥ मनिष्टमभिमुतये॥ ठण्डाभमनगुदग
नदनाप्रपमेवनममचनपुषमभूदमा॥ मचा
नपुषममेवप्रपमेयनिमुमनमा॥ सुपापपवि
इमप्रयमेसरन्तुषा नदन्नाप्रिमुमदमवनन्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ
७

भूपयैवमममयदुसमेपापंपनहृतेमममम
उहृवमजः कतुहंततः मभाणेनंएले ॥ सपं
पतयेविद्मदेपमपात्रयणीमदितनेवमप
मिमयाग ॥ ७ ॥ सृष्टवग डिष्टवदृसमकमम
मृ स्रमकपकमृ डिष्टवमकयं ॥ मीतपुत्री

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

हृत्त्रयं नमो देवक रिष्टे उक्तं यः ॥ उक्तं त्रिभुवनं
पदं मम पमृतिभुवनः ॥ मित्रवत्तु कृतं उक्तं ॥
उक्तं त्रिभुवनं विपद्ये एतत्तु मम भित्तु विष्टे दत्तं
पदं मम मम ॥ उक्तं त्रिभुवनं विष्टे दत्तं ॥
उक्तं त्रिभुवनं विष्टे दत्तं ॥ उक्तं त्रिभुवनं विष्टे दत्तं ॥

Handwritten text at the top of the page, likely a title or reference, in a script that appears to be Devanagari or a related Indic script.

श्री
०.

द्वमुपपदतुं वृद्धं संमममममा ॥ एगडा
श्रुत ७ ॥ एवममु ॥ उरिभानविपिमभापु

भा ॥ सुठभा ॥ उरुटमुत वेरु संरुववकत्रिकेत

कमुमेविमययमुदभति ॥ युवमुवमः परिवेउरु

गकउ क्रियठवति एयमपः उरुीरसः कवयउन

विमुपुमनमरुवयउः ॥ यउगसिगउमय

पुला नम उरुतुं मयउ ॥ उरुकाभुकलु ॥ माउ
भयसे नवलविः

[illegible]

ॐ

सुमेवता ॥ सुकसुख हरी नमो क कुरा ॥ ॐ भक्त ए
दृ कुरा ॥ ॐ भक्त ए वि सु मि इ वि सु के ॥ गाय
इ भक्ति उषा ॥ मेवते पनये एष्टे ॥ गाय हृ ये गत म
ते ॥ सुवा दय मि ग यंरी ॥ भव पा प प्र ॥ मि नी भा
न गाय हृः पने एष्टे ॥ न ह ह ति भ भे द त भा ॥ सुग
सुव ग मे मे वि एष्टे भ भ वि णे रु व ॥ गाय तं इ य मे य

यमङ्गायत्रीद्वन्द्वः भूङ्गा ॥ एवमाद्यं कञ्चैवैवतं ॥
विनिधेगायत्रभूङ्गा ॥ गायत्र्यामिणभरद्गु ॥ ग
यैवमभरद्गुः ॥ सुङ्गायत्र्याः परिधिपुष्ट्या
भेङ्गायत्र्या ॥ एतेभीतिगायत्रीभावद्गा ॥ देवनाभा
द्यभा ॥ एतेभि ॥ भदेभि ॥ तलभभिद्गा ॥ एतेभि ॥ दे
वनाङ्गाभनाभाभि ॥ विष्णुभभि विष्णुयः ॥ भवभ

३

भिभवायः॥ गडिडु॥ डिडुः॥ डिडुवः॥ डिभुः॥ डिम
 दः॥ डिएनः॥ डितपः॥ डिमहं॥ डिअविडचरे
 रुनेमेवभृणीभदिपियेयेनः॥ प्रमेमयाजडिभुपे
 ऐडीगमेभडंवदुडुवः॥ सुमेभा॥ डडिप०नाप्र
 कऊभकगेयकेपु॥ नडिहमयललाएपु॥ गऊ
 नीलमेड॥ वदुविभूमिवहुयन॥ प्र०यभं

ऊदङ्ग ॥ एकः वतुः प्रकः भृगु ऊभुके द्विगुल
भृगु रमक भृगुल ॥ प्रेऊ प्रवेम भृगु डि नि नभैः ॥
भृगु मभन इयं ऊदङ्ग ॥ डि भृगु भृगु मभृगु ॥ भृगु पउ
यभृगु ॥ भृगु तउहः पपेहृगु रुतं ॥ यमद्र पपम
कं धे भनभा वमा दभृगु ॥ पदुभमरे ॥ मिभृगु
गदि भृगु वलभृगु ॥ यद्विभृगु गिंभयी ॥ उमभद

मेपा
७

भाभउयेने॥भदेलेडिषिएदेमिभुद॥७डिभुतः॥
चषभएक॥भदसुभभदसु म रुपउयसुभदुल
उहुःपापेहेरकुरं यदहृपपभकं सुभनभारम
दभहृपदुभमरे॥मिसुरादिभुदवलेपउ॥यकिं
पिदगिउंभयि॥यदभदभाभउयेनेभदेलेडिषिए
देमिभुद॥७डिभुएक॥॥चषभयमममेडा॥॥

सुपः पुननुप सिंवी ॥ धिती प्रड पुननुमभा ॥ पुन
उवद ॥ मतिवुद पुड पुननुमभा ॥ यदसिधुम
ठेएव यदुद सुगिडंमम भवेपुननुमभापेभ
उमपुतिगुदएदेमिभुद ॥ ७ डिभायं ॥ **सुषमल**
नभा ॥ डिमुपेदि सुभयेकुवभनकुलेमणउन ॥ भदे
१७ यमकुपेयेवःमिवउमेरभ ॥ भभलणयउद

भेष
५

नः॥ उमडीरिवभाडरः॥ उभ्र सुगुभाभवेयभृकया
चलितुष॥ सुपेएनयषामन॥ डिदिरवल्हः सुमयः
पवकयाभुएउर॥ कसृपेयाभिरुः॥ यप्रिगरेरु॥
पिरेविकुपाभुनपुपः मंभेनठवतु॥॥ यभंरेव॥
मिवितलुत्रिकुं॥ यप्रुतिक्तेरुपाठवति॥ य॥
प्रिपदिरेविकुभुनपुपः मंभेनठवेउ॥ यभंरु॥

५०३
०५५

५०३

एवमन्ति यातिमहेभट्टउ ॥ अथपमृत्तनानाभा
यात्रिगठे मणिरिविक्रुपामानसुपमंभेनठवेंडु ॥
मिवेनभामकुपापमृत्तपःमिवया ॥ उत्रेपमृत्त
इममेभपुमृत्तः ॥ मुमयेयाः पावकयाभुएडा ॥
कमृपेयाभिरुः ॥ याभ्रिगठे मणिरिविक्रुपामा ॥
नसुपः मंभेनठवत्तु ॥ मत्रेदेवीरणीभुय ॥ सुपेठ

मेप
५

वत्तुपीउये॥ मंष्टेगकिभवनः॥ मत्रसुपेपनष्टः॥ म॥
त्रः मत्तुत्रष्टः॥ मत्रः मभद्रियासुपः मभनः मत्तुऊ
ष्टः॥ सुपेसममममम॥ ममयत्तुपुत्तनमा॥ पत्रपुः
पत्रत्तुविसेदगिपं प्रवदतिदेवी॥ नमिमहः सुमिग॥
प्रतामि॥ उमभापः प्रवदतयकिप्लिद्रुगितेभयि॥
यद्रुदमकिद्रुदयद्रुमेपततचतमा॥ भद्रुत्तुमा॥

मपष्टमवेव न ह नृ॥ चवेयमभयहीमाङ्गुच
भम्वेव किलिषाग॥ यष्टगृष्टु प्रः॥ पापमणि
गाम॥ भवभममउम॥ मेनमः५ भममउ॥ मपिर
वेमक रिषेणिष्टुमभवाणिनः॥ मरकिवेभाप
कर॥ इष्टुमभवाणिनः॥ इतिमालनमा॥ म॥
षापमभवाणिनः॥ इष्टुमभवाणिनः॥ इतिमालनमा॥ म॥

मेपा

स्त्रीमलामिव॥ प्रउं पविरेल वा एमापः सुवृत्रुमे
त्रमः॥ उउं ममहं मनीकु॥ उपमेह एयउ॥ उउं म
दिग एयउ॥ उउः मममेमलवः॥ ममममलवम
पि मेवइरेम एयउ॥ मदेगइलि विमप॥ द्विसु
भृमिपउवमी॥ मुदाममममोणउयषाप्रवमक
लयउ॥ दिवेमपपिंवीमउरि कृममेषुः ॥

ऐकुमिति मधुमदवृहतिमिदं लयिदु॥ ऐकुः
 ऐकुवः॥ ऐसुः॥ ऐमदः॥ ऐएनः॥ ऐउपः॥ ऐम
 दं॥ ऐसुतसुगमेष्टममेग॥ सुतसुगमिदुतेपुगद
 यंविमुतेभापः॥ इयल्लभुवधलकरमुपेष्टिउमे
 मतेवदकुदुवःमुगमा॥ उतःपु॥ यमः॥ उतः॥
 मुदाकिमणिगायइःकिमरित॥ श्रील्लल्लली

मं
१

नक्षिपुक्षिपेग॥ प्रमक्षि॥ भावहै चरु नरु पतिष्ठे
उ उरुयउममभु रि ऐतिथ्यमुत्रउउरभा॥ मेवके
वइभुदभगम ऐतिरुउमभा॥ उरुहं एउवेमभेमे
वंवदतिकेउवः रुमेविश्रायभुदभा॥ मिउकेव
नभमगा मनीकं मद्रा मिउभुवन॥ भायेः॥ सुभ
मृवा पविवीपुत्रि हंभुदमुद्र एगउमुमुभा

सु॥ उ सु क रै व दि तं पं र भु म् सु र ग ॥ प मृ म म
र मः म उं ए नी वी म म र मः म उ म् ॥ दं भः सु मी ध
सु भ र उ रि क्क म ग दै उ व रि ध ॥ म ति वि द्यु रै न म ग
रु ध ग व र म ग ॥ म ह्यु गै ए ॥ ट उ ए ॥ म दि ए ॥ ट उ म् ॥
रि क्क ए व द ग पि ठ उ मे म म सु य र प ह्यु ए ॥
म वि क्क उ म् ॥ व उ ए उ ये ॥ म ति म् क ह्यु र प ए प ति

भा
३

[illegible]

नमः भद्रिभाते एषां सुप्रसन्नः ॥ पामेभुवि सुकुडि
दिपादभुभातेमिवि ॥ दिपादुचुतुमैरुप्रसन्नः पामेभु
दकवगपुत्रः ॥ उतेवि सुवृत्तम सुमननमनेमि
उमदिगदृष्टयतविगले मणि प्रसन्नः ॥ मएते
ममृमिमुत्पसुमुमिमिपुत्रः ॥ यदुप्रसन्नदवि
पामेवयल्लभउत्त ॥ वमतेममृभीमएग्रीधु ॥

ॐ
७

ॐ सुगन्धु विः॥ उं यल्लं रदिधिपे क्कपुनधपुत
भगुः॥ उं नमेवाप्रयण उभाएपधयसुय॥ उं भू
मृल्ल॥ उं चरुतः भभु उं पधमएभा पंमुभं सुके
वायहानग ए नभु सुय॥ उं भू मृल्ल उं चरु
उं यमभाभानिणल्लि॥ सुकं भिण॥ लिउं उ
भू मृल्ल सुभू मएव उ॥ उं भू मसुप्रएयउय

कैमैठयामतः॥ गावेदणल्लिरुतभुतभुल्लुता॥
मृएवयः॥ यरुनधेहमपः॥ कठिणह॥ क
ल्ययना॥ भापकिभभृकेरद्रककुपामतमृते
वाद्मल्लिभृभापभाभीगंरद्रगणवृःततःकुतु
उरुभृयस्तेमृःपदुंमुदेमृएयत॥ मरुमभनमे
एतस्तेःमुदेमृएयत॥ भापकिभृस्त्रात्रिस्त्रप॥

मं
०.

सुप्रगणय॥ नहं सुभीरुति कंसी द्युष्टैः भभव
उ॥ पदुं कुमिदिमः मेदुतषालेकभके ल्ययग ॥
मपुभृमयगिणयमिभपुमभिपः नडाः ॥ मेवय
दृष्टं उवाच सुवप्रदुनं पपसुभा ॥ यल्लेनयल्लभय
एतु मेवभातिपदलिपुषभाष्टमज ॥ उदनकं
भदिभानभमनुयइप्रवेभाष्टमतिमेवः ॥ ॥ ॥ ॥

[illegible]

मिवमङ्गलममु ॥ ५ ॥ तिस्रस्यपुत्रमित्तम्
ले प्रमथे यस्मैव ॥ दिग्भयः प्रमथे यत्पुत्र
मित्तम् ॥ प्रमथे यस्मैव मेयं महिम् ॥ कर्तुम्
पः मुक्तिं यन्मम ॥ यत्पुत्रादुत्तमम् ॥ यत्पुत्र
ल्लवः पुत्राणामनः मरिचम् ॥ ममामप
कैरेदिता ॥ भुदेवि पश्चिम् ॥ पुत्रात् ॥ यद्

मे
०९

द्ववामिधु उद्गभादिंभीज॥ अदयविकुलएयवै
नमः॥ मृषणपविधिः॥ ऐमृनके उहमि॥ भमि
गमि॥ कुःपमयेः॥ कुवःहमि भुःमिगमि॥ ऐकुः
मंग्रधुहंनमः॥ ऐकुवःउलनीहंनमः॥ ऐभुःभ
पृभाहंनमः॥ ऐमदःमृगमिकहंनमः॥ ऐए॥
नःकनिष्ठिकहंनमः॥ ऐउपःमहंकरउलकरध

ॐ नमः ॥ त्रिभुवः पादयैः ॥ त्रिभुवः एतैः ॥ त्रिभुः
ग्रहे ॥ त्रिभुवनम् ॥ त्रिभुवनः ह्रदि ॥ त्रिभुवनः क
त्रिभुवनमिह ॥ त्रिभुवनः ह्रदययनमः ॥ त्रिभुवनः मि
मेभुवन ॥ त्रिभुवनः मिहयैवधन ॥ त्रिभुवनः कवमा
यन ॥ त्रिभुवनः नमः ॥ त्रिभुवनः नमः ॥ त्रिभुवनः नमः
नमः ॥ त्रिभुवनः नमः ॥ त्रिभुवनः नमः ॥ त्रिभुवनः नमः

भे
०३

हं नमः॥ रुते देवभूमि एमा हं नमः॥ णीमदिशुना
मिक हं नमः॥ पिये येनः कनिष्ठिक हं नमः॥ प्रमे
मयङ्कुर उलकर पङ्क हं नमः॥ त्रिउद्गमयेः भ॥
विउल्लस्येः॥ वरेष्टकं॥ रुते नमः॥ देवभूमि
णीमदिकं॥ पिये नमिकं॥ यस्मिन् कृषेः॥ नः॥
ललाटे प्रमेदयासिगमि॥ उद्गविउः ह्रमयाय नमः॥

वरेहंमिरभेभुद॥ ठनेदेवभूमिपयैवधल॥
णीभदिकवमायद्रभा॥ पियेयेनः नैइहुंवेधल॥
भूमेमयाभभुयदल॥ सुपभुनयेन॥ एतित्रयेः॥
भभभापे॥ सुभउंललाए॥ वृद्धकुटुवः भुगेमिरभि॥
सुषभदः॥ तितइभायनभः॥ भभंपएयनभः॥
विवितउयनभः॥ उविभीलएयनभः॥ चद्रिभाणय

मे
०५

भक्तविद्भक्तभरीलपवलसुयैभूपभीकलेदक्त
भित्तिवस्तुभक्तएतद्वक्तवल्गुक्तभा॥ गायत्री
वस्तुयस्तुमक्तमुलकपालेगुले॥ मस्तुमक्त
पारविक्तयगलेदस्तुवदंतीकले॥ त्रिस्तुवस्तुः उक्त
विस्तुवस्तु॥ त्रिस्तुवस्तुः उक्त
उ॥ ००॥ त्रिस्तुवस्तुः उक्त
गाउविस्तु॥ गाउविस्तु॥ गाउमिस्तु॥ भक्तभ

भुते॥ ॐ मे देवयण्यं भुद॥ व मे भुद॥ वातेणः भदे
सुगवमेव॥ विष्णु हर्मयभभवे॥ वद्व॥ भभनल्लुगेग
सुमेविनभेभुते॥ ममकिल्लमयगिउं मतेनमपगतत
भा॥ दिवगंतभदमे॥ गायरीदतिक्विलिधभा॥ ॐ
नमः॥ प्रभृतिमेयासुमेवतापउभे॥ प्रतिवभते॥ सु
वेनमः॥ नभेवातुगयमिमेयासुमेवतापउभे॥ प्रति

ॐ
०

व भ उ ट ह सु वे र मे ॥ ॥ न मे म कि उ ये मि
र मे या सु मे ॥ ७ ॥ न मे व उ र ॥ ॥ न मे प डी मे मि मे
न मे व उ र ॥ ॥ न मे उ मी मे मि मे ॥ १ ॥ न मे व उ र
न मे उ र ॥ ७ ॥ न मे प र ये मि मे या सु मे व उ र उ मं
पु रि व भ उ ट ह सु वे र मे ॥ ० ॥ न मे व द न ॥ न मे प भु य
ये न मः प वि ह न म र प णी हः ॥ न मे व म न मे

५

वामभ्युत्तये॥ नभेविष्णवेवदतीतलेभीष्टुताभामेव
मेवताने॥ भक्तिताभयए॥ भलेकताभोप्रतियाएव
विष्णुतायभणीता॥ भदेसुभवेमेइतेविष्णुताय
भभवे॥ वृद्धताभभनल्लुतागमुमेविनभेभुता॥ ॥
उद्धताभा॥ वृद्धताभभा॥ विष्णु॥ रुद्रः॥ प्ररुपतिः॥
मेवः॥ कर्त्तृभि॥ वेदः॥ दधयः॥ उपेयनः॥ सुमादः ॥

भे
०१

गवुवा॥ उतागादा॥ भवदुग॥ भावयवा॥ मेवु चपु॥
मेवः॥ नगाः॥ भागाः॥ भगिउः॥ भवह॥ यका॥ रकंमि
पिसागा॥ भयल॥ वनभदयः॥ दुतग॥ भमडुविणः॥
चभुग॥ कुरः॥ भद॥ एभुक॥ एगाः॥ विदुपा॥ एल
एरः॥ निगणरः॥ भवेगदः॥ भवेमवः॥ यमः॥ यदुग
एः॥ भुतकः॥ वेवभुतः॥ कलः॥ भदः॥ उगभुगः॥

नीलः॥ दुष्प्रः॥ परभीमः॥ वक्रेरः॥ छीमः॥ गिहः॥ मि
इगुपुः॥ एकैकभद्रलिमैवः॥ दुःदुःउभनकमयः॥
मदत्रिपितरभीदीभियेपुकेकभद्रलिमा॥ भनक
भु, भु, ॥ भननः॥ भननः॥ कपिलः॥ सु
भानः॥ वेदः॥ पद्मसापः॥ भगीमि॥ मरिः॥ मरिः॥
पलदः॥ पलभुः॥ ततः॥ पगीमः॥ इगुः॥ वभिभुः॥ न

मं
०३

१८ः उ३ः प्रमीनवीती उ३धनुभादवमद उ३धनुम
मिणीमदि उ३धनुधनुधनुवदपि३न दवि३धनुवे क
ववामुलभुणनममु पु३तामा ७ मेमः यमः सुद
मा सुप्रिधुताः मेमपाः रदिधमः दविधनुः म
कलिनः सुएपाः वमवः रुदः सुमि३ः म३धु
विधुपा पि३तः उ३मी३तामाव३त३ताम उ३धनुमापि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ क ह उ ए ओ नै व नु पि
उ रै द वे ष ॥ मे व त कृः पि रु ह सु भ द ये गि ह र म न
भः भु ण म भु द म नि रु मे व रु व रु दि ॥ ॐ ॥ भु द त व त पि
तः भु भ क गे रु भु ण न मः रु भु त म ॥ ॐ ॥ पि त म दः ॥ प्र पि
त म दः ॥ भ त ॥ पि त म दी ॥ प्र पि त म दी ॥ भ त म दः ॥ प्र ॥
भ त म दः ॥ क रु प्र भ त म दः ॥ भ त म दी ॥ प्र भ त म

ॐ

नी॥ वदुप्रभातमदी॥ भाद्रपक्षाभुयेकैमिहृमाहृषि
 द्रपक्षाः॥ गुरुसुमुखचतुर्जयेकैलेषमभद्रवाः य
 प्रैतठवभापत्रयेमाहृमाहृवलिङः एलमात्रेनते
 मवेत्लठत्रंशुप्रिमउमभा॥ मभमुभातपिहृहृ
 मसमैवतेहृः पिहृहृः दिमपत्रंमुण॥ श्रीरपत्रंमु
 णमसपत्रंमुण तिलेकंमुण॥ उमकतधलंमु

ॐ॥दिभे॥७॥गण्डे॥७॥महेन॥वभतायनमः॥गीध्रय
नमः॥वद्यहेनमः॥मग्नेनमः॥दिभतायनमः॥मिमि
गयनमः॥षट्पुत्रहेनमः॥ऐनभेमेवेहः कठेपरीती
भुष्टपिहः॥अपमहेन॥मणपिहः॥महेन॥सुवद
भुभुपदत्त॥मगमगएगष्टु॥७॥एवमसु॥अप
महेन॥अमगजलिउवेएः॥अपडुगैइएभुतः॥उ

ॐ
७

मन्त्रे

पिवन्तु भयान्ते वभूनि धीमते नमः ॥ १ ॥
उत्तमैविवभूते नमः ॥ २ ॥ एतन्मन्त्रं विष्णवे नमः ॥
मन्त्रं विष्णवे नमः ॥ ३ ॥ उत्तमैविवभूते नमः ॥ ४ ॥





[illegible]

ऊरु॥७॥भऊरुमुद्राप्रलि पश्यमेठवउमेकउभिय
उमउ॥अविभुतिभुसुरागरिरेठवेठवेमेभुठवरु
भाउग॥७॥मीभऊरुपदभेएभपनःपरभादुतेय
अविनेनभुहतिभहतिगुपाकिनः॥८॥नदेवरेउव
मरलेयेदुमुभदुददेतेः॥ऊभीपकंगिरुभपिदरेन
रकेनपिनेउ॥भृगभभदुउनलउनरुनेनपिरुनु

कवेठवेठमयकवनेठवयेयंठवने॥५॥नभुण्मेनिव
भनिययेनेवकमेपठेगे॥यदृढवेठवउठगवदुचकम
नऊपभा॥पउम्हुंमभठमभंणमणमउगेपि इदम
भेरुद्रयगगउनिमुलठकिगमु॥२॥दिविवदुविवभ
मभुवभेनरकेवनरकउकपूकमे॥मवणीरिउमर
मगविठेमरउउमरलपिमिउयमि॥१॥मभिएनय

५
३

नममस्तुभ्यं भगवति भगविरभेदमिदं तुभ्यं ॥ भाषतुभ्यं
परं न एतदुपनेदं सत्यं ॥ भगवत्पुत्रं तुभ्यं ॥ ३ ॥ भगवत्पुत्रं
तुभ्यं विमिश्रितं तद्गुणाय भगवत्पुत्रं ॥ न भगवत्पुत्रं
विषयं विषयः भगवत्पुत्रं मीमांसते ॥ सुलभं तुभ्यं यत्
किं भलं तुभ्यं भगवत्पुत्रं ॥ लेकं तुभ्यं भगवत्पुत्रं
तुभ्यं किं तुभ्यं ॥ ७ ॥ तुभ्यं लभितुं भगवत्पुत्रं तुभ्यं

ये कवमदभितिमैतेभाम्भगाकउगदुभा भगमिएदमि
देवी ॥ ^{१०} उवकीठजिरेक नगकमिमिनिषसुता
यिष्टवसुभा ॥ ०० ॥ इष्टुतेयेभमनपवनेदुताभेमिभिले
मगवतेउनयभदएगदमस्तुलेम ॥ भंभगदेभदति
एलणेभस्तुंनमिणम ॥ दमभुलेवरमठवतेठजिन
वेषभीम ॥ ०० ॥ पृष्टीरेनगपयंभिकनिकः दस्तुभुलिदे

भ
३

न

सप्त॥ जेने निपुमने भन उतउंगे तुं भभुं नठः॥ कइरुइ
पिउमभुं उ॥ यः कीलः भभभुं भग॥ मस्येयइ भउवके
विएयउं कुभा वउउवपिः॥ ०१॥ सुप्रयकु भिउउरुइरु॥
पिउं तमुवउरुउं दं मेरुमुं मरुलानिभुउविपयः भवेदउंरु॥
भनि मीउरुभवगादन निमगाणभुने विनयउंरु इरु
भेरुदभं भुउं विएयउं देवः भनगयलः॥ ०२॥ सुनरुगेवि

रुमज्जुत्तमभयगय ७ नउतिरभयेति ॥ वज्रं भभेतिपिनवज्रि
कस्मिन् देलन नं वृमन वृभेत् ॥ ०३ ॥ कीरभागरउरु मीकर
भरउरकिउरु मभउये ॥ ०४ ॥ गेगिगेगमयनीयमायिनीभाप
वयभभुविद्विषेनभः ॥ ०५ ॥ व इल्लि मठय ५ म नभभयाम
उतिनिवाप ७ ॥ ०६ ॥ देरुदाम्भमेध ७ मगलिउमेयः ५ म
५ ५ ७ ॥ भवः मीपतिरेवभवलगउमेक उउः भादि लः

५
८

प्रह्लादमुविशीषः सुकरिगलपसु वृद्धसुवः ॥ ०५ ॥ रावेमी
पुनयेउमेरिणगरभंकपियेउम ॥ मेवैभुभृपदभृणउति
पुगेउगयल तिपुति ॥ येकेपिरुधणभंकतिपयशमेधुम
लुठमं ॥ मेवयेभगयभदेउरभदेभुदवगकवयभा
दलेकः मरउपुमुतिमर ॥ वृणैपिदिदुमिभं ॥ येग
ल्लुमभददरतिमनेयेयल्लवल्लुदयः ॥ सुतुहेतिगमे

यमेकमभउतहृष्टभापीयउं॥ उद्गीउं परमेधपेविउत्र
उनिचा लभाट्टिकभा॥०३॥ रकुउल्ललिनउं नमिरभा
गउं भरेभैदुभैकलेनभरगल्लननयनेझील्लेनवाधु
न॥ निहंइद्वगगुगिरिउयगलएनभउभुमिन॥ चभकं
भरभीमदकभउं भेपदं एविउमा॥०४॥ उहं वूवा अतिपं
परभुमदेकरतीवभउं पदनि॥ सुवउयधल्ललिगमिल्लि

४
५

कुनभानिगयल्लगेमगलि॥१॥५मेमगीरंपरि॥
भपेमलेपउरिवेमुं सुषभनिणल्लगे॥किंभोभपैः॥
मुमिभुददमतेनिगभयंतपुगभायनंपिव॥१०॥मीभ
नाभभेमृगगयल्लगेकेनपुंपुवाडिउं५पनेपि॥दनः
प्रवेवाकुवडनउभिंमुनपुंपुगठवाभाभिः५पभा
भाइमोकी॥५॥५॥भपिठवतेठकिदीने॥

११

दा

भामैष्टेमाहउरुंउवमिउमपाभृदृदएवमउ॥भा॥
भृदृदभाहवहूमपिहृववपउमउभापदृदवां॥भा॥
कुवउरुपदाहृदिकादिगएमएमउरुपि॥१३॥भद
नपिहृदमिहिंमदीयेमनमिमउरुपदगविहृदपि॥
दृदयनतमावनातमेमिमउरुमिमउरुपाहृदपं॥
ग॥१४॥मरावाकाकरुमउरुहृदविहृदमिः भेउवेद

सुवभगगले कृष्टवत्तप्रभातः॥ भक्तिमष्टेणगरुविकले
 अवकेदेवकीते भागभिर्दत्तलविप्रभुतः उडुतेनैवएते॥
 एकेकीउयकेमवेभगरिपंमेतेकणमीपरे॥ पालिदुदु
 मभजयाष्टउकषमिइदयइमर॥ तल्लेकयलेम
 नदुयदरेजमुद्रियगदलय॥ एिपुपुल्लभक्तुपाम
 उलभीभुचत्रभापेकणमी॥ ७५॥ यदुदुपुलिपाउप्रलि

पवले उद्धमिरभृमुठं॥ उनेइउभमेष्टिउभविपलेया॥
हुंरुगिमुमुते॥ भावद्वि वियमेदभेदभसुविमलाय
भापवष्टयिनी॥ भाणिद्रुभउवचिल्लीपुतिपमंयमुतिन
गयलभा॥ १॥ रुजुद्धुधुएद्रुगानरुभलि॥ रैलरु
रुभलि॥ जेपीलेमनगउकभुमभलि॥ भुंरुदेभरु
भलि॥ मीकउभलि॥ रुजिल्ली॥ यनऊगदरुककुष

५
१

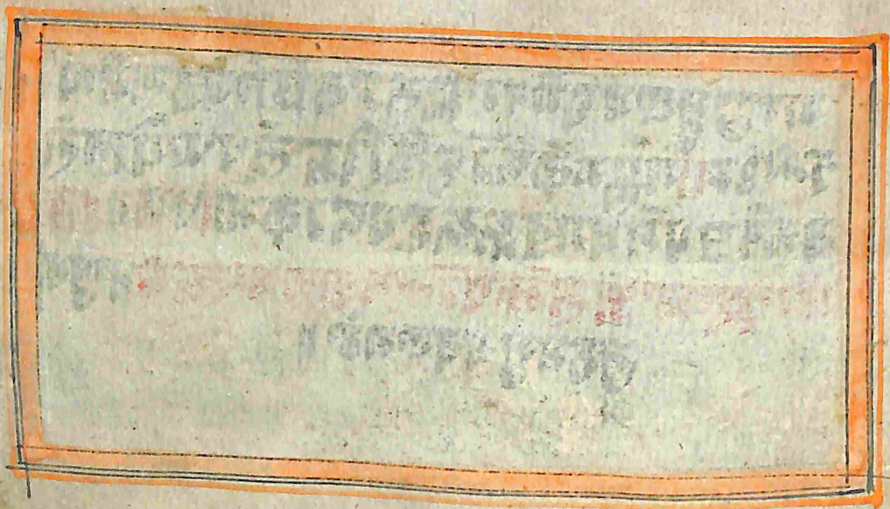
मलिः॥ मयेष्टेयसिपाभलिः सडनेगोपालमुद
मलिः॥ १३॥ मइसुदेकमंइमकलभपनिषद्भक्तमं
लभइ॥ मंमारेडुमभंमभमिउउमभंमभनिदा
लभइ॥ मचैसुदेकमंइहमनकुणगमभुभुभइ
लभइ॥ लिङ्गमीलभमंइएपएपभउउएभ
कलभइ॥ ११॥ वभिदेदुलनेषणंभनिभनेकडिप

कडैषणं॥ मेटनकुकरैषणंरिडुवनेमलीवनेकैषणभा
रुऊरिप्रमभैषणंरुवमयप्रसुभमिद्वैषणं॥ मयःशत्रि
करैषणंपिवमनःमीतहूनभैषणं॥ ३०॥ सुसुदमैड॥
द्विभनष्टलेकैषणंपरिदृष्टविषंपिवति॥ नभानिन॥
गयन्गोगमगमिदृक्कादवमःऊदकप०ति॥ ३०॥
लालीनैरुपलीपयेपरपलीकीरुऊलीमैभली॥ प०ली

५
३

दूभवत्तत्रैकविंशतिमुद्रैर्दिशैर्नीयते ॥ गोविन्देति एतद्
त्रैविण्यं गङ्गा नैव त्रैविण्यं त्रैविण्यं ॥ वृद्धैर्भूमयमुद्रैकम
त्रैविण्यं पञ्चपरिभूति ॥ ३३ ॥ अथ भूमयमुद्रायाम्
भूयःपुत्रमुद्रायाम् ॥ अथ भूमयमुद्रायाम् ॥ अथ भूमयमुद्रायाम्
तद्भूयःपुत्रमुद्रायाम् ॥ ३३ ॥ यमृषियैः सुविशेषैः
लोकगीर्तयैः त्रैविण्यं पञ्चपरिभूति ॥ ३३ ॥ अथ भूमयमुद्रायाम्

मगलभुएधरुमेनगल्लतडतडिगियंकुलमेप
रुलभुम॥मल्लमकेनरुकिमिल्लपमयेलले
वमनेप्रपमेधमवुल्लरुपदरकभा॥५॥उडि
मेगल्लतडकुलमेपरुलभुमकुलमलःमभापुम
मुठमभुभवएगडं ॥



ॐ श्रीगलसायनमः ॥ उतेनैवेदं ॥ ॐ शुभउमभु शुभ
उयउ ॥ नैवेदं ॥ भाविहमि भाविहम ॥ मेवभुउमविउ
५मविमुनेनुदुहं ॥ प्रह्लेदभाहं ॥ भादमे ॥ भद ॥ गल
पउये ॥ ऊभाय मिये ॥ भउभहं ॥ लहं ॥ विमुकमले ॥ दुगमे
वउहं ॥ ५एपउये ॥ वदल ॥ कलम ॥ मेवउहं ॥ वदवि
५ममेदुगमेवउहं ॥ गउवेमसुगय ॥ भाउयगय ॥ ८

ॐ
०

उपउयेनगययय॥ इनाय॥ इभुकय॥ वरुयय॥ यहु
पुनयय॥ अग्रिभुडुकिहः॥ पिङ्गाय॥ गमेवडहुः॥
रुगावडेवभुमेवय॥ भङ्गयय॥ प्रदृभय॥ अतिरुङ्ग
य॥ भट्टय॥ पुनयय॥ अमृडय॥ भाणवाय॥ मेविङ्गय
भदभनभेविङ्गलक्कीभदिङ्गयनगययय॥ रुव
यमेवय॥ गवयमेवय॥ पमुपडेमेवय॥ उगय

मेव य॥ श्रीभयमेव य॥ चञ्जीभदिङ्ग य॥ पञ्चमेव य॥
विजयक य॥ एकमङ्ग य॥ तद्गुणिल य॥ गङ्गा
य॥ लम्पिण य॥ वलमङ्ग य॥ देवभङ्ग य॥ सुपङ्ग य॥
लङ्गभदिङ्ग य॥ भङ्गगङ्गा य॥ ह्रीं ह्रीं भः भुङ्गा य॥
भङ्गभङ्ग य॥ भङ्गभङ्ग य॥ एकभङ्ग य॥ नीलभङ्ग य॥
कमङ्ग य॥ पञ्चभङ्ग य॥ उल्लङ्ग य॥ भुङ्गा य॥ भङ्ग

॥
॥

ॐ
७

भक्तिउयसुमिहय॥ ठगवईअभये॥ कभये॥ गव
ई॥ एकठगिहै॥ उगये॥ पावई॥ यकहै॥ मीमवि
कठगवई॥ मीभदगहै॥ ठगवई॥ मीमलठगवई॥ वि
उभठगवई॥ मनेकठगवई॥ उदाभुयगठवड
हु॥ उमयवदभय॥ मययेमगिभय॥ यभय
मभदभय॥ मरुगपदभय॥ वनउयपमद॥

भूय॥ वयहे सुएदभूय॥ कुवोयगदभूय॥ गैम
यदिमुलदभूय॥ वृद्धं पद्मदभूय॥ विप्लवेमदभू
य॥ मृतेऽदिहः मृते कुलनगमेवऽहः॥ मृदिहं
वृद्धं मृमभहं॥ कुमदिमहं विप्लवणहं॥ उम्व
दभदिहं॥ ममभदिमृहं॥ एपदिमनेमृहं॥ ग
पदिहं॥ मृकेउहं॥ वृद्धपृहं॥ मृतुमृहं॥

ॐ
३

बुद्धं ॥ कृष्णं ॥ श्वेतं ॥ सुवर्णं ॥ दशरूपं ॥ लक्षणं ॥ कमल
युग्मं ॥ मणिमयं ॥ हृत् ॥ पद्ममण्डपि मण्डपं ॥ वामे धृतं यशोवर्णं ॥
नभे नैवेद्यं निवेद्य मन्त्रमः ॥ सुकमलं च नमः ॥ सुवर्णं
मः पद्मं नमः ॥ येन निवर्तते ते ते रक्षणं लभति हृत् ॥ उच्चैः
वेद्यं भृशं लिपनीयं मन्त्रं कुरु पितृभ्यः सुवर्णं नमः ॥ भवतु
यवत्प्रममयिषिं पृथिवि पृथिवि ॥ ॐ नैवेद्यं मन्त्रं ॥

विभट्टं धी उग्रुन संसृमै गढ उयं नरु वृद्ध म हभा विमय
ठम सुने ठम मय मय नेरु नं म स धु न वं पम नं न
नं उगन ॥ य विष नं उ नम कं उल्लेख

[illegible]

अलकमुद्रहमत्रितं मुलपानिकमा ॥ एलतं पिङ्गला
 एलमिणभद्रुतकरिन्मा ॥ पुमतेन श्रुते ह्रस्वभाम
 दत्तपरिन्मा ॥ दिवमिंदमभामोने दिवुते
 गभमत्रितमा दिगेवतामभयुक्ते भगभमममुतमा
 निहंयमा सुते सुहं प्रवमकुरमवयमा ॥ मच
 ह्यपिनमोमाने ॥ रुद्रवैविमुद्रुपिन्मा ॥ ॥

पर्वण्डुद्विष्टः भभृजते यएनभारुठडा ॥ भद्रुष्टुय
भद्रमेवपादिभंसरुष्टुगउभा ॥ एनभद्रुष्टुय नमो
पोदिउठवठ नुनडा ॥ उतिविष्टुष्टुमेवेमएपेननुम
रुभुकभा रुभुकयएभदेभगतिंगयिपेवभा ॥ उ
वामकभिवठ नुनरुष्टुष्टुष्टुयभाभउडा ॥ ३ ॥ सुष्टुव
दनुदगयः भमेउमः ॥ सुष्टुष्टुष्टु ॥ रिदकेडुभदि ॥ वउ

ॐ
७

एव न॥ चल भद्रि कुत्रै एव यत्तुमीये भभनद्वय
दद्वैव न॥ मठपी०॥ गभरा० मप्रवा० भद्र
भद्र॥ विद्रुपा०॥ विमद्रुपे॥ भद्रमेव॥ गिवभावादया
भद्रभा॥ सुवादयाभृदमेवभीमुरेपावतीपतिभा॥ य
धरभनभापुद्रनगाठर॥ कुषितभा॥ श्रीयतंयणभानमु
उभेकुयमभद्रभम॥॥ सिउरुनपायविद्रुदेभद्रमेव

यणीभद्रितत्रैकदः प्रमेमयाता ॥ ३ ॥ त्रिमत्रुदियकेवा
त्रंरुद्रमभनेरुवाय ॥ मचीयसु ॥ प्रदृगंरुत्रात्रवके ॥
देवसिः ॥ रुद्रदेवशु ॥ भिषुपा कुरु ॥ सुयनेविनियेगः
नभमुदेवा ॥ गेद्रभात्रुषु ॥ भाद्रगा यशी ॥ पशुमध
धै ॥ पक्षिचै ॥ भद्रपक्षि ॥ भाद्रैकभद्र ॥ एगहृत्रु ॥
धिषुपा ॥ भद्रवृद्धी ॥ यवमष्ट ॥ रुद्रदेवशु ॥ भवक

四

भगमिह्रुं॥ पावेविनियोगः॥ एनभा॥ कदुगोपंकुछ
वडंभंभारभांकुएगोमदरं॥ भमरंभंहुमयार
विह्रुवंहुवनीभदिउंनममि॥ उिनभः मिवायुवरु॥
उिनभमुमरुभटवेवहुहभउंनमः॥ उउउउधवेनमः
यउंरुमिवाउउ॥ यपेरपापकमिनी॥ उयानभुत्रा
मउभयापीविइउहुमदिंसीपरुधलगाउ॥॥॥

मनुष्यकर्मदि याभिमन्त्रिमनुस्मृति
नक्षत्रं मन्त्रि

मित्रेन वरमभाङ्गुगिरिमस्तुवरुभमि यषानभुवमिह
गरुयङ्गुमभनमभग॥ अष्टवेगमपिवज्जपमभैह
किपका॥ अष्टीमभवाङ्गुभय॥ मवाङ्गुयङ्गुपट्टेणगमो
पुगभव॥ अष्टीमभुमभुम॥ उडरुमभुमलः य
मभेगदमभुमिडे मिकमिड॥ मभुममैवधोददुपे
मभे अष्टीमभुमभुमि॥ नीलश्रीवेविलेदिउः॥ उडन

५
५

ॐ पाश्चात्स्यं तत्रैव भगवद्गुरुः । उक्तं तत्रैव विष्णु उवाच ॥ भगवन्मया
कथयितुं न शक्यं । न मे प्रभुर्नीलश्रीवाय भगवान् कथयामीह
सर्वं यत्प्रभुमहर्षिर्देवैर्देवैर्देवैर्देवैः ॥ प्रभुपुत्रं न भूमिभ्यः
किलुभा ॥ यस्मिन् देवमुत्पद्यते नृणां तदा वैवर्ष ॥ विष्टुर्देव
पुत्रिणे ॥ विमलेन वाचनम् ॥ ॥ अस्मिन् देवमुत्पद्यते नृणां तदा वैवर्ष
भूतिपद्मिणि ॥ यत्तदेति भीष्मपुत्रं भगवन्मया उवाच ॥

उद्यमविश्रुतमुमयकै॥परिकुल॥परितोपकुनेद
त्रिरभद्र॥त्रुविमुतः॥सुवेयः॥पिमुवारे॥समि
त्रिपेदिउभा॥नभंगमिउसुयणयानउतयपधूवे॥
उठहुभउतेनमेरुहउवपउते॥सुवउहुपनभुमद
भाकूमउधुप॥निमीदमलुनभापे॥मिवेनभुमन॥
ठव॥याउः॥पसुिवउभा॥मिवेरहुवउपन॥मिवासर

वृथा॥ उवउयत्रमदुपलीवमे॥ तिनमेदिरहउद
 वमेनउदिमंगपउयेनमे॥ नमवकैहेदरिकेमेहउ॥
 पमुनंपउयेनमे॥ नममुधिपुगयहिपीमउपवी॥
 नंपउयेनमे॥ नमिउदुपयहापिनेत्रनंपउयेनमे॥
 नमेदुरिकेमयेपवीडिनेपुपुनंपउयेनमे॥ नमेठव॥
 भूदेहेएगाउभउयेनमे॥ नमःनदयउउयिनेकइ॥

ॐ पठये नमः॥ नमः सुदयदत्तयवृत्तं पठये नमः
नमो रीदितयमुपठयेत्तु ॐ पठये नमः॥ नमो भक्ति
लवनि एयक ॐ पठये नमः॥ नमो कुवत्तये वरि
वभूतये धनीं पठये नमः॥ ॥ नमः सुदयदत्तयवृत्तं
ॐ पठये नमः॥ नमः सुदयदत्तयवृत्तं पठये नमः
ॐ पठये नमः॥ नमः सुदयदत्तयवृत्तं पठये नमः

五

[illegible]

जलान्नं पश्येन मे ॥ ॥ नमः भक्तदेव नतदुस्रवेन मे
नमः भक्तदेव नतदुस्रवेन मे ॥ नमः सुयामदुस्रवेन मे
वेन मे ॥ नमः सुतदुस्रवेन मे ॥ नमः विभ
एदेवि विदुस्रवेन मे ॥ नमः भक्तदेव नतदुस्रवेन मे ॥ न
भक्तदेव नतदुस्रवेन मे ॥ नमः भक्तदेव नतदुस्रवेन मे
वेन मे ॥ नमः भक्तदेव नतदुस्रवेन मे ॥ नमः सुयामदुस्रवेन मे

न
१

सुपतिहसुवेनमे नमसुहृदिनीहेविविहसुवेनमे नमउ
गच्छहृदिनीहसुवेनमे नमैवाउहेवाउपतिहसुवेनमे न
मैगलहेगलपतिहसुवेनमे नमलसुहेलसुपतिह
सुवेनमे नमःमैनहसुवेनमे नमैगविहेव
उषिहसुवेनमे नमैभनहेरुकेहसुवेनमे नमयवह
सुमिनेहसुवेनमे नमभनहेगसकरेहसुवेनमे ॥

नमः कुललेहकमरेहसुवेनमे॥ नमः पुष्पिसेहेतिध
महेसुवेनमे॥ नमः मुनिहृमगायहसुवेनमे॥ नमः सु
हः सुपतिहसुवेनमे॥॥॥ तिनमेठवायमरुदयम॥ नम
मवायमपमुपतयेम॥ नमेनीलशीवायममतिकठ
यम॥ नमेष्टापुकेसायकपमिनेम॥ नमः भद्रभक्त
यमउपननेम॥॥॥ तिनमेगिरिमायममिपिविष्णुयम॥

न
३

नभेभीदुष ॥ भायमेधुमडेम ॥ नभेरुभयमवभन ॥
यम ॥ नभेरुदडेम ॥ वदीयभेम ॥ नभेरुदु ॥ यमभ
कदुनेम ॥ नभेरुयमपुष ॥ भायम ॥ नभेरुमवे ॥ मणिर
यम ॥ नभेरुयमकीरयम ॥ नभेरुयमवभदयम ॥ न
भे ॥ नभेरुयमदीष्टयम ॥ नभेरुयमकनिकुयम ॥
नभेरुयमपगयम ॥ नभेरुयमपगलुयम ॥

नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ नमो भद्राय नमः ॥
नमो सुखे नमः ॥ नमो विष्णवे नमः ॥ नमो ब्रह्माय नमः ॥
नमो शिवाय नमः ॥ नमो कृष्णाय नमः ॥ नमो रामाय नमः ॥
नमो हनुमान्‌देवाय नमः ॥ नमो गुरुभ्यो नमः ॥ नमो मातापितृभ्यो नमः ॥
नमो देवीयै नमः ॥ नमो योगेश्वर्यै नमः ॥ नमो श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

हृदयमरेषु यम॥ नमो वासुदायमवसुपायम॥ नमो भैरवा
यमरुद्रायम॥ नमो भैरवायमरुद्रायम॥ नमो भैरवायमरुद्रायम॥
पतयेम॥ नमो उग्रायमनीलायम॥ नमो दत्तत्रेयायम॥ नमो
नमो जैवपायमदुर्गपायम॥ नमो कृष्णदेविकायम॥ नमो
भगवाय॥ नमः सभवेमभवेनवेमनमः सद्गुरवेम॥ नमः
नयम॥ नमः मित्रायममित्रतयायम॥ नमो किंकराय

न

०१

महयज्ञाय नमः॥ नमोऽग्निदेव्ययमाप्रपद्युषम॥ नमोऽपलभिते
मकपतिने॥ नमोऽगोष्ठयमकपतिने॥ नमोऽगोष्ठयम
यमगोष्ठयम॥ नमः॥ मुल्लयमगोष्ठयम॥ नमः पदा
मुगदयम॥ नमः प्रउरयमेउरयम॥ नमोऽभी
कुंयमेकुल्लयम॥ नमोऽहयममधुयम॥ नमोऽभ
कष्टयमप्रवहयम॥ नमोऽहमहयमनिवेद्यम॥

नमः कष्टयमगुदरेभ्यः ॥ नमः सुकृतयमदमिष्टयम
नमेल्लेष्टयमलष्टयम ॥ नमः पंभष्टयमगणभृ
यम ॥ नमः भुष्टयमेष्टयम ॥ नमः पल्लयमपल्लमा
यम ॥ नमः प्रापिमतेमपकिमतेम ॥ नमः किष्टयमप
गुदमष्टयम ॥ नमः प्रापिमयमविपिमयम ॥ तेन
भैवः किरिकेहेमव नं ह म य हे ॥ नमः विमित्रके ॥

५
००

हे॥ नमो विष्णो ॥ कृष्णे॥ नमो विष्णो ॥ कृष्णे॥
नमो भगवते॥ मणि मणि ललितः॥ सुभाषणम्॥ मे
धोपमपम्॥ मेधोपमुत्तमा॥ भक्तभक्तनकि
नमो भगवते॥ उभाभक्तयत्नमेकपदिनेकयत्नी
नमो भगवते॥ यथा नमो भगवते॥ यथा नमो भगवते॥
यथा नमो भगवते॥ यथा नमो भगवते॥ यथा नमो भगवते॥

व३३सिवाविश्वदूषणी॥सिवाकदूषणी॥
उय३मदूषणीवमे॥परिलिखदूषणीक॥
परिदूषमदूषणीक॥श्रवसिदूषमदूषणीक॥
न३मोदूषणीक॥श्रवसिदूषमदूषणीक॥
सिवा३मदूषणीक॥परमेदूषणीक॥
उ३मदूषणीक॥विदूषणीक॥

८
०९

लेदिउ॥ नममेषमुठगावः॥ यामेमदमंदेउयेउ॥
मिगिवपाउउः॥ मदभाणमदभाभिदेउयमव॥
वाहः॥ उमभीमानेठगावः परागीनभाणऊरु॥
सुमल्लुउमदभाभियेरुदेसपिउभुभा॥ उधे॥
मदभयएनेवपत्रातिउमभि॥ यभिगमदह
ल्लवेउरिऊठवसपि॥ उधेम॥ ७॥ येनीलशीवः

मडिकठु मचाषणः कृभामरः उधे॥ येनीलरीवः
मडिकठु मचाषणः कृभामरः उ॥ येनैधमधि
प्रानीलरीवविलेदिः॥ उधे॥ येनैधविविष्टि
परेधपिविअनभा॥ उधे॥ येडुडन मणिपउ
येविमिणभः कपडिनः॥ उधे॥ येडीकुनिप्रम
मडिभकवडेनिधडिनः॥ उधे॥ यापउवडेव

७
७३

कुवकुयं भवमिमेरुव विउधिये ॥ उपं ॥ विनभेषु नर
हेवेमिवि ॥ येषं वधमिधवः ॥ उहेरुम ॥ प्रगीरुमरुमरुहि
॥ ॥ रुमपडीमी ॥ रुमउगीमी ॥ रुमेरु ॥ मुहेनभेषु
उनेभरुयतु ॥ येरुधे ॥ यस्तनेहुमि उमेधं एभेय
मि ॥ नभेषु नरुहे ॥ येयतुगिरु ॥ येषं वध उधव ॥
मुहेनभेषु ॥ उनेभरुयतु ॥ उयमिधे ॥ यस्तनेहुमि

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ भद्रिभः पारंते परमविदुषेय
मृममसी ॥ सुतिवृद्धं मी नमपिउमवमत्रभूयि
गिरः ॥ सुषावसृः भवः भमतिपरिभुवपिग
नमभाष्टुभैरेदरनिरपवाः परिकरः ॥ ० ॥
सुष्टिः ॥ उपकुनं वममदिभावाएनमये ॥ ३३ सुष्टिः ॥
हृयंयकिउमकिउमसुतिरपि ॥ सकभृभैउहः कति

मप
०.

विपिगुः कभृविषयः ॥ पढेइचागीनेपडित्त
भनः कभृनवमः ॥ ३ ॥ भसुभृत्तामः परमभमते ॥
निद्रितवः ॥ भववृद्धिं वागपिभरगुरेचिभय ॥
पढभा ॥ भमहेतुं वा नीगुल कषनपुष्टेनठवडा ॥
पुनभीइउमिचरभषनवद्विः हवभिडा ॥ ३ ॥
उवेसुदंयउल्लगममयराकपुल्लयतइसीवमु ॥

हृभेतिभ सुगुल ठिवाभउवुधु ॥ अठहानभमि
वुरमभलीयाभरभली ॥ विदुंहुहरेमीविम
पउउदैकेएरुपियः ॥ ५ ॥ किमेदः किंकयः भ
एलकिभपयमिहुवनं ॥ किभुएरेणउभए
ठिकिभपएनमिडिय ॥ अउरुसुदेउयनवभर
इभेदउपियः ॥ अउरुयंकमिन्मपरयतिभेदय

मप
७

एगडाभा॥५॥सुलक्ष्मनेलेकः कि भवयववत्रेपि
एगडा॥मपिष्ठुडगेकिंठवविपिरनएदुठवति॥सु
नेमैवकुददुवनएननीकःपरिकरे॥यतेभक्तभुं॥
प्रहमरवरभंमोउउमे॥६॥इयीभाष्टेयेगःपसुप
तिभउवैधुवमिति॥प्रतित्रेप्रभुनेपरभिरुभरःप
सुमितिम॥मयीनवैमिदुदएकुटिलननेपसु॥

एषं॥ ८७० मेकेगभूमिपयमभलवडव
भदेकपष्टंगपरसुर॥ लिठभठभिनः॥ क
पालेमेउयउववरमउडेपकरलभा॥ भुगभुंड॥
भद्रिंमपडिठवदुपलिदिडं॥ नदिभुद्रगभे
विषयभगदभूदभयति॥ ३॥ पूर्वकसिद्धे
भकलभपरमुपूर्वभिमं॥ परेदूहादूहाएगडिग

मप
७

तिगदडिहभुविषये॥भमभेपेउभिचरभषनडे
विभिउडव॥भुवलिहभिहनापलननमभुभाप
रग॥७॥उवैमुदेयइइइपगिविगिपेदरिगः॥परि
मुडेयगवनलभनलभुववपधः॥उडेककिपुदु
ठगुनगलभुगिरिमउग॥भुयंतभेउहंतवकि
भनवडिउलडि॥०॥भुयइमभमृभिउवनम

वैरिहडिकरे॥ ममभैयश्चद्रनहुउर॥ कंदुपर॥
वमग॥ मिरःपद्मसेलीरमिउमर॥ भुमेमदचलेः
मिरयभुहुकेमिपरदरविभुलिउमिमभा॥००
मभष्टइकेवमभमिगउमरंकुएवन॥ चलाके
लामेपिहमपिवमडेविहमयउः॥ मलहपउ
लेहलममलिउंगुधुमिरमि॥ प्रतिष्ठइएभीमप

मप
८

वमपमिउमहडिपलः॥०३॥यह्वाडिंभइभूव
रमपरमप्रेरपिभडी॥मपसुत्रेराःपरिएन
विपेयमिहुवनः॥नउमिइउमिचुरिवभउगिइ॥
सुगलयेः॥नकभपुत्रेठवडिमिरभाभुयुवन
तिः॥०३॥अकभुवदभुकयमकिउदेवाभरत
प॥विपेदभमीमृमिनयनविपेमेहउवः॥भक

ल्लुषाकठेडवनऊमडेनमियभदे॥ विकरेपिसु
ऐकुवनरुयरु ह्मभनितः॥०॥म॥मभिसु
नेवकुमिमपिममेवाभरनरे॥ निवउतेनिहंए
गतिणयिनेयभृविमिण॥ मपमृत्रीमहृमिउ
रभरभाणर॥मकुज॥मरमृउहृदुनदिव
मिधुपष्टःपरिकवः॥०॥म॥मदोपागपाउदु

५५

एतिमदमासेमयपमे॥ पमेविष्टेदुभुदुएपरिपम॥
गुगुदगलभा॥ मरुमेमेमुंयाह॥ निरुतएएडादि
उतए॥ एगदुनयेदुंनएभिनत्रुवामेवविदुडा॥ ०५॥
वियदुपीडागगलगुलिउदनेदुभमममिः॥ प्रव
देवगेकेयः॥ यउलपमभुःमिगभिउ॥ एगदु
पाकमेएलपिवलयडेनतउमि॥ हुनेनेवेत्रेयंए

उभदिभमिहृतवपः॥०१॥रषःकैलीयतामउप
उरगेचैपत्ररषे॥रषःहैमद्रुकेरषमरलपलि
मरउति॥मिपकैमुकेयंरिपरुलभामुभुगवि
पि॥विपयैःक्रीमुत्रैनापलपउतुःपुहुपियः॥०४
दरिमुभादमंकमलरलिभादयपमयेः॥यम
कैनेउभिब्रिणभमदरवेइकमले॥गतेठकुम्

मप

कमपरिभतिमभोगवपुषः॥ इयं उरु कयैदिपु
रदराएगडिणगडभा॥ ॐ ॥ कूडे भुपुएगडभमि
ठलयेगीरुडभरभा॥ ककमपुसुभंठलतिपुनपा
गपनभते भुतभुमडे कुरुडधठलनपुतिरु॥
वं॥ मूडे मूडंर॥ इततपरिकरः कमभुएनः॥ ३०
त्रियमके मरुः कुरुपतिगपीमभुनरुडं॥ टधी॥

भाद्रिहं मरल मम मम मरग ७३ ॥ रुतुं मधुतः
रुतुं लविण न वृमति ॥ पूवं कतुः मन्त्र विषर
मक्ति म गयदिभापः ॥ पूएन वंन व पूमठ मठिके
मंरुदितं ॥ गतं गदिदुतं रिगमयि धुम ध मवपुष
एन ध ल द तं मि व म पि म य क त त म मं ॥ इ मं ॥
उमृपि ह एति न म ग ह ए र क म न ॥ ३३ ॥ मृपुं च ल

वदं विवभनउनेभविम धउं॥ भनी नगरां मम
 एनभकेपवृत्तिकरः॥ यतेरुयेगुहे भतरुपिमप
 दं विमपां॥ प्रवेभैक म्लीलं किमपि पन धाउप
 भविउ॥ भुलव लं मेभापउपन धमद्रयद्र लवग
 पग पुं भंरुपु पगभवनप धयपमपि॥ यदि
 भुलं रवीयमनिउदे दचपएन॥ रवेतिद्वमा

सुवतवगमभयुयवतयः॥३॥ममनेषुकीरु॥
भरुगपिसामभदमग॥सिउठभलेपःभग॥
पिचकरीणीपरिकरः॥सुभल्लेमीलेउवठवउर॥
मेवभलिले॥उषापिभकुलुवगमपरभंभल्ले
भमि॥३॥भनःप्रहक्तिउभविठभविठयाउभरु
उः॥प्रहृष्टदेमालःप्रमरुभलिलेडिडिउरुमः

मप
उ

यदलेहृद्रमं हृद्र उवनिभसुभउमये॥ यदहृद्रमु
इकिमपियमिनमुडिलक वग॥१॥ इमकुमु
मेममुममिपवनमुद्र॥ उवद॥ मुभापमुवेमइम
पगलिङ्गकुमुमिडिम॥ परिमुक्त्रमेवेदुयिपरिल्लं
रिङ्गुमिगिरं॥ नविद्र उडुवयमिद्र उयडुनठव॥
मि॥१॥ इयीमिमेवडीमि॥ कुवनमंमेशीनपिमग॥

नकगहृवल्लै भिक्तिगिगण्डील्ल विलति॥ इमी
येतेण भसुनिकिरवमन्नुनम॥ किः॥ भमसुहृ
कुंमरल्लमगण्डील्लै भिक्तिगिगण्डील्ल॥ ३॥ ठवः मदे
मः पसुपतिरवेगः भदमदं॥ भुवाकीमैमाना विवि
यमक्तिगण्डील्लै भिक्तिगिगण्डील्ल॥ भमभिचुहृकं प्रवि
मरतिमेवमूर्तिगिगण्डील्लै भिक्तिगिगण्डील्ल॥

म.

७

नमो भूमि रुवते ॥ १७ ॥ वषट्कारं कृत्वा नमो भूमि
रूपं निपात ॥ पुनरेवैवा देवता ॥ मिमिषि रुवते पुल्ल
॥ नमो भूमि रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥
मम रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥
नमो भूमि रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥
नमो भूमि रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥ नमो भूमि रुवते ॥



दत्ता रुगवती रुद्र मणिक भुमिवापग ॥ रुवनीके
मिकी कली पावती मधुवी मती ० ॥ रुद्र कली रुद्र
कली रुद्र कली त्रियः भूतग ॥ भद्र भूत मपा ० भूद्र
यउउ भूत यग ॥ ॐ त्रिमी रुवनी भद्र भूत मं भूत पुम

ॐ नमो भद्रा लूठ गवह ॥ ॐ मङ्गल सिमुल मर
मापक गोरि नें इ डि म्म ड र सुक ल यं विलुभज
किरीं ए ॥ भिंद भिड मभर भिडु न डं गद न डुव
निठं रुगि ड ड ल्ल द रीं नभा भि ॥ ऐच कुल कुल प ॥
उती ॥ मरु म हृ मृ गती ॥ मपु र म पु पि व ती ॥ क ठ ॥
क ठ क य ती ॥ ड रि ड म प द र ती ॥ मा प क डे ध य ती

ॐ
०

ॐ यति एगति मेवी ॥ श्री भक्त गीतरी दयत्री ॥ ७ ॥ डि यतु
हु ए मे क व कं प्रले च व म न प्र ठ भा ॥ ए नू म क्रि य रं
मे वी व र म रु य प लि क भा ॥ ३ ॥ प्रे त मे भु म द गे दी
हु ए गे ने प वी ति नी भा ॥ ठ व नी क ल भे द र र द्रु भ
द वि कु धि र भा ॥ म ॥ ए ग द्धि ति क गी व द्र वि धू र द
मि ति : भ रै : ॥ सु तं तं प र मे मा नी नै भृ दं वि प्र द रि

ॐ॥५॥**हिनमैठवतु**॥ ठिकैल भमिपरोरभेदेव
मेवेमदेसुरभा॥ एतेदुरउभाभीनेप्रमत्रभाप
दुणभा॥॥भगभगमिगेरउरलिउदियगंप्रदुभा
प्रलभमिगभनकीरकुल्लिरठधउ॥॥**मीन**
ठिकैसुरउवाग॥ मेवेमेवएगवषमेमयेमिभद
मभ॥॥रदभमेकमिष्कुमिप्रसेवुठउवकुल॥३॥

ठम

७

नानिकी

नानाग

मुरः

मु

पुवममवनेके

देवतायाभुयकभूः भेइमेउम्विक्निमभा ॥ पष्टे
विगउंनषदूउः किमपः पाः ७ उतिपसुमरु
वेविकमत्रेइपदूएः ०० ॥ मीठगवववम ॥ भापुभा
पुगलः मेसु ॥ पसुववमिभेमयग ॥ भुमभपिम
यदेष्टेगदभेकषयामितग ॥ ०० ॥ पगकल् कयेले
कमिभकृष्टेफमेउन ॥ गुल इयभयीमजिउ

लप्रतडिभल्लिडा॥०१॥उभमदेभमद्वत्रमुद्वमे॥
भदममिभिः॥मेउवेडिउउःमक्तिमेकएलिङ्ग॥
उमुधी॥०२॥देउःभङ्गलएलभभनेपिपुयिनीमु॥
ठ॥७मुडिपरभमक्तिरुमिभीलउउःपरभा॥०३॥
उउेवगिडिविष्टमक्तिःमवभयीपग॥पुङ्ग
भील्लगमउवेमभउभरभडी॥०४॥वद्वीमेवङ्ग॥

ठम

७

वरेदीकेभरीपचडीमिव॥भिद्धिद्वद्धिद्वमा॥
तुभचभल्लमयिनी॥०५॥उयैउरुएरेविमुभनण
रेमणदडे॥उयैउरुल्लउभचउभामेवपल्लीयउ०१
मसिउप॥उरुमचरुवविनिस्सिडेः/सुरण्ड
मुउमेवमचभिद्धिपमयिनी॥०५॥उभामरुद
देवउमेवमुउवाउदभा॥मदमेदमकिद्धिहैमे।

लेहप्रलिप्रलिङ्गे॥००॥भवेन्ननेनभक्तुष्टुभामेवप्र॥
विवेसभा॥उदरहृमयाप्रपुमैसुदपदभक्तुमभा
उजप्रठवाभयामसुएगमेउसुगगरभा॥भमगभ
रगनुचयकृगकृमभानवभा॥१०॥मपत्रगंभम
भदंभमैलवनकाननभा॥भगमिगदनकृरेप
पुहुउगुठविउभा॥११॥नकिन्नभमदमैलभुवे॥

कम
५

ननेनभवत्॥ भुवेपरापरंमक्तिंभभत्रयदक
रिलीभा॥१३॥ उद्धृष्टपरउंवेयगमरयुंविहुभा
पुलभृमिरभाननौपेवगपरमेशुरभा॥१४॥ मीन
किंकेसुउवग॥ रुगवरेवदेवेमलेकनषण
गउउ रुकेभिउवदभेभिप्रभाःक्रियउम॥
यि १५ भुवभिभंपष्टंमूलंमभेरयि॥॥

देव

मैउमिस्तुभदमेवंप्रुठवमपिगभृउ॥७५॥ मीठग
वप्रवम॥ म॥ न॥ न॥ द॥ ग॥ भ॥ व॥ ग॥ ए॥ भि॥ मे॥ मु॥ के॥
भ॥ द॥ भे॥ द॥ भ॥ ठि॥ रि॥ है॥ भि॥ दि॥ मे॥ भ॥ प॥ मे॥ क॥ म॥ ॥ ७१॥
मु॥ पि॥ ठि॥ प॥ उ॥ म॥ ऊ॥ य॥ प॥ ए॥ उ॥ ह॥ म॥ भ॥ दि॥ डै॥ ॥ ७२॥ दि॥ क॥ ॥
ने॥ म॥ दु॥ य॥ य॥ ऊ॥ उ॥ ॥ प॥ र॥ उ॥ र॥ भ॥ व॥ ॥ ७३॥ मि॥ भृ॥ मी॥ ठ
व॥ नी॥ न॥ भ॥ भ॥ द॥ भृ॥ भ॥ व॥ ग॥ ए॥ भृ॥ मी॥ भ॥ द॥ मे॥ व॥ प॥ पि॥ ॥

ठम
५

मृगधुपाकः॥ सुमृमजि॥ रुगवतीरुवनीदेव
हीरीए॥ मीमजि॥ लीकीलकं॥ मीरुगवतीरुव
नीपीरुउपावविनियोगः॥ मृषष्टनं॥ उरालरुमभु
लारुमंयउरुहंरिलेयनभा॥ पामरुममंरंमं॥
एरयंतीमिवंरुए॥ ३॥ मृत्तंमृभेलिभभलभभ
रिवमृभंमृएपामभलिरुजकपालदभं॥ २॥

॥ गगवभनरुं डिनेंष्टायेगमिवभूवनिंभ ॥
मविह्ललाप्रीभा ॥ ॐ डिष्टनभा ॥ मीरं सुरउवाम ॥ भद
विमृणागन्तुभदलक्षीः मिवप्रिया ॥ विह्लभाय
सुठमात्रुमिदुमिदुभरभुगी ॥ ३० ॥ कभकतिप्र
ठष्टिदुपावगीभवभल्लला ॥ दिह्ललामजिक ॥
मत्रुप ॥ मलक्षीदगिप्रिया ॥ ३१ ॥ दिप्रानकिनेन ॥

॥ ३२ ॥

(६५)

कमनकभगवच्छिः यल्लु विहृमदभावावेदभा
उभुण्णतिः ॥ ३३ ॥ श्रीतिः प्रयाप्रमिद्वमभदनी
विहृवाभिनी ॥ मिद्वविहृमदमक्तिः पृष्टीनगम
भविता ॥ ३३ ॥ परद्रउपियाक'ताक'मिनी पद्मलेम
न ॥ पद्मदिनीमदभतादुतादुततिनमिनी ॥
एलभापीभगोइमएतिः ऊभमदभिनी दतभा

दुरुविष्टभजतिः परवभिनी ॥ ३८ ॥ अपलमा
भुगैभायभमिरभदभिनी ॥ जलवागीसुगी ॥
निष्टुनिष्टुक्लित्रतमेगी ॥ ३५ ॥ कभेसुगीमनील ॥
गळीरभुवद्विवाभिनी ॥ लभेगीभदकालीवि
ष्टुविष्टुसुगीउषा ॥ ३१ ॥ नरेसुगीमभदमभवभेठ
गुवचिनी ॥ भद्विनी नरभिंदीवैधुवीमभदेगी

कष्टयनीममभमभवभुभुडिकरिनी॥ नराय॥
 नीमदनिद्रयेगतिद्रुपुठवडी॥ ७७॥ पूएपुगभिउ
 पूएउगभसुमडीमसु॥ क्षीरलवभुणदराकलि
 कभिंदवदन॥ ८०॥ डिकगवभुणकगमेउनके
 पनतडिः-मृत्तविद्रुगगगविभुमडाकलवडी
 पद्मवडीभवभुगपुत्रुद्रुगभगभुडीः॥ ८१॥ भन

एगद्गुडीवद्गुभडाणित्रमुगी॥२१॥ एनभडाणित्र
द्गुगमग्गमदेभवदन॥२२॥ गएलद्गुवीवधद्गुगभ
एकग्गभुणद्गुक॥२३॥ गएनीतिभुयीवडाग्ग
नीतिस्त्रिषवडी॥२४॥ भद्गुतिभुगिल्लीमद्गुभद्गुतिभ
द्गुगय॥२५॥ भिक्कुद्गुकिनीगएयभनग्गभ
ग्गभडी॥२६॥ गेद्गुवगीविधामग्गकवेगीग्ग मउद्गुग्ग॥२७॥

८
३

भरयुगमृगगमकेमिकीगहिकीमुमिः॥नभरः५क
मृनममममृशृमृदेविक॥२॥वेइवगीविउभुम
वरमनरवदन॥भगीपडिवडाभाप्रीभेममृक्तभवा॥
मिनी॥२॥एकममृमदभकीभमेलिठगभालि
नी॥भेनमृलिपडाकमभवुदयमृकडिल्ली॥२॥
पडाकिनीमयरभविपल्लीपल्लमशिया॥परपरक

लकडारिमक्तिमेकदयिनी॥२७॥ तन्मीमादेसु
गीवृद्धीकोमगीकुलवामिनी॥२८॥ सुकृगवतीमक्तिः
कमपेत्रतपवती॥२९॥ वसुयणवणुदभुमक्षीम
दुपरात्रमा॥ गोगीभवलवलमभिउमिंदरक॥
रिल्लीमा॥३०॥ एकत्रैकमदेष्टममउरामुदकु॥
ए॥ कुण्डकुष॥ कुषाषणमरुत्रमवामिनी॥३१॥

ॐ
७

मक

धलमद्रुके मिनीमृभा कयभु कयवलिङ्ग॥ भभि
तामभापीकृभाभुलपुनतिगीसुगी॥ ५३॥ मएमव
द्रवलासपुनधाउपुवाडिनी॥ ५४॥ नीलाभिङ्गमृभा
तधूपीतामकडुगा॥ ५५॥ कृण्डधूलागवडु ३
मनीकनलैया॥ कलाकधुमद्रुतामतिमेधा
कलकुपिल्ली॥ ५५॥ भवलाभनानामागदःभ

नवतीरभा॥ गन्धुपिष्टाभगन्धुमभम्बज्जागभनेग
तिः॥५०॥ भगन्तकिङ्कगाक्षीमकचुगभेमणविनी
पद्मेयेनिःभकेमीमभलिप्तुठगदुपिनी॥५१॥
येनिभइभदभद्रापेसगीणगगाभिनी॥भयमी
प्रपवीवल्लीभयभडाभमेद्रुता॥५२॥ भाउणीमु
कदभुमपृथ्वराल्फासापिनी॥५३॥ भुवपरा

४
००

छीवगऊपधवउंभिनी ॥ ५७ ॥ सुइभुरगणीग
भदसुतावभशिया ॥ भवेलीपद्मदमुमभऊदर
विदुषः ॥ ५८ ॥ कटुगभैमतिः सुभापद्मिनीपद्म
भक्तिग ॥ पद्मिनीमऊदमुमकुभङ्गीपरिभायु
ग ॥ ५९ ॥ मापिनीपामदमुमदिसुलवरगवि
ली ॥ भराउमजिदमुमभयुरवरवादना ॥ ६० ॥

ले

वर यण यण वीर वीर पान मरु कृण ॥ वम पा वं म
पा ग म ए पा मा क भु गी मि व ॥ ५३ ॥ वि ए पा म ए य
उी म भ भु नी म इ न मि नी ॥ य त च डी वे म म जि व र म
वर पा रि ली ॥ ५४ ॥ मी उ ला म भ मी ला म रा ल ग द
वि न मि नी ॥ ऊ मा गी म भ प चा मा क मा ए क म
व द्दि ड ॥ ५५ ॥ ए ल तू र पा न त्र क म ड प नि वा मि नी

कभरीएवमीमहमहपराय॥५५॥भुल
 भानमिउभुक्रभुक्रवदिप्रवेपिनी॥५६॥मरि
 के॥दिनेइपरभन्नी॥५७॥वधप्रियावधकु
 कभदिषाभरपातिनी॥भभूमददामपु॥
 मीपुपावकभविठ॥५८॥कपालकुध॥कुली
 कपालभालगिनी॥कपालकुडलामीड

४

००

५

मिवसुग्रीधनसुनिः॥६७॥मिद्विमावद्विमावि
हमहमनप्रवेपिनी॥कभुग्रीववभमभीक
इम्वयातलया॥१०॥एगद्वुठकुडलिनीइ॥
एगाकरमायिनी॥पेलमइपुपदमनाकिना॥
लइलुलिनी॥१०॥अलाएगनिगकरवद्विउ
इतलया॥वापुउडभापभीननिगएग

४
०३

विगमया ॥ १३ ॥ सुभे सुभगति लीव गृदि नीव
दिभे मया ॥ वलीउतु भभङ्ग नवरु भाभ्रु मलैल
पा ॥ १४ ॥ उपभ्रिनी उपः भिद्रि भुपभेः भिद्रि मयि
नी ॥ उपे निष्पु उपे वृज उप भीम उपः प्रिया ॥ १५ ॥
मभुण्ड मयी भुतिः मभुण्ड उतु गमया ॥ मेदपु भि
भनः पभिरु भपभिरु ले दुका ॥ १६ ॥ लधणि वदु

भउमद्वहमक्तिः प्रवडी॥ वेदवेदमिकिङ्गम
भपष्टुरेगनमिनी॥ १०॥ भगवाभगभोभग॥
भगद्वद्गलेमन॥ वागुगवत्तु इपामवणइपा
वपेद्वुड॥ ११॥ वचीवदिभुगकाकावत्तुवि॥
भेमिनी॥ मद्गदपलदविद्वद्गदवत्तुविभेमि
नी॥ १२॥ भभिकभुलिकमभुभुकाभभएन

६

०३

त्रि३॥ केलिकीकलविष्टमभकलकलप्रणि॥
३॥ १७॥ कलमरुडभाडुभाडुत्रुविडुभाडुभन
मिनी॥ वट्टलीभेपभा॥ लमभकपिःभभव
तिनी॥ ३॥ मकगमउकगमउकगैक्रगडुपिनी
हीकगीठीणरुपमल्लीकगभुरवाभिनी॥ ३०
भवभूमयीमकिरकगवलभालिनी॥ मिनु॥

गम० वल्लमभिदुरतिलकप्रिया ॥ ३३ ॥ वमृ
 मवमृतीएमलैकवमृविठविनी ॥ नपवमृन
 पैः मेव नपवमृकगीप्रिया ॥ ३४ ॥ भदिपीन
 पभाटमनपट्टनपनचिनी ॥ नपपममयीण
 टुपनणवृविवचिनी ॥ ३५ ॥ मडवल्लमयीभु
 डिमुडवल्लमप्रणिता ॥ भवपममयीभिसि

४
०
५

सुडुगमभवामिनी॥३५॥वाद्मनीकिडियावैसुमुद्रम
वरवल्लए॥वेमभानगउयल्लवेमविमुविठविनी॥३
मभुमभुमयीविह्वरमभुभुणगिनी॥भुमेणभउमे
णगळइकल्लेपगणिउ॥३॥गायरीमङ्गतिःमङ्गभा
विडीडिपममिया॥डिमङ्गुडिपमीणरीमपवभभ
गायनी॥३॥पङ्गुलीरालिकरालरालरीडभ

कउनी ॥ गहणरणगमुहगहमयनिवामिनी ॥ ३७ ॥
भगतिपाडिनीतटप्रउनगडिलेडभ ॥ लल्लुभवमीन
कठवनीपापनमिनी ॥ ७० ॥ पएभुरणगौतिःभुगी
डिल्लनलेमन ॥ भपुभरभयीउनीपदुमएभदेवडा ॥ ७१ ॥
भुठनगभभंभुगभुभुभुनवामिनी ॥ ७२ ॥ दहदहि
नीपेउपेउभननिवामिनी ॥ ७३ ॥ गीउउडिपिभुभ

石

[illegible]

वकिनी॥७५॥ मितामिताप्रियाभुङ्गमकलावनमेवता
गुनङ्गमपरागुचीमङ्गगीविमरम॥७६॥ मदभागीवि
निदमगुङ्गमङ्गविनामिनी॥ मङ्गमङ्गलमङ्गम
मङ्गमङ्गलवामिनी॥७७॥ मङ्गमङ्गलमङ्गलमङ्गल
दकमङ्गपिल्ली॥ मङ्गमङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गल
प्रातिनी॥७८॥ मङ्गमङ्गलमङ्गलमङ्गलमङ्गल

ॐ

ली॥ मउभ्रभ्रमयनमउवनलपुम॥०॥ कम
पुपुपुडीकमामरगुजभ्रमलेमन॥ कुडाठवठविष्ट
ममैलणमैलवभिनी॥०॥ वामभानरावभामिवव
भाद्रवभिनी॥ वामभामपियाउमिद्रैपाभद्रपुवेपि
नी॥३॥ कुडाद्रपरभद्रमकुउठवविठविनी॥ भद्रलम
ममीलमपरभउपुवेपिक॥३॥ मकि॥७॥ मकि॥७॥

[illegible]

६
०१

कविद्वय ॥ १ ॥ भेनपरीभडीभाडभेनकठगिनीउडिग
भेनभेनीभडभमभणभाणभमालिनीउभेन
गुणयिनीदुमैभठगाडुडिवचिनीमीतडिचभन
मेवकल्लुलीकलिनामिनी ॥ ७ ॥ २ ॥ रुगीएवपेडुप
भउनुनीएभउडि ॥ एगएगीवाएगडीएएगडुय
दिउडिनी ॥ ०० ॥ माभीकरुमिस्वमीभाकयापेरु

मीकल॥ यदुदुमनवदुम यकिनीनरुसिउ॥००
सिडिनीमिडुमयगविमिडुवनेसुगी गभ'दुभ'द
दभुधम'दुभ'दवणेदुग॥०॥ सुधुमेकदमीप्रलन
वभीममदुदुमी सुभकलमदभुमपुलकुभुपाग
ग ०३ सुठीकहेरवीठीभाठीभदिपरहेरवी भदक॥
दुमगेदीमभदहेरवप्रणिउ॥०॥ त्रिदु'द'दसिनीम

८
०३

शुक्लालममनन॥ कललविकललमपेरप॥
दुर्जनमिनी॥०५॥ रक्तमन्त्रकेमीमवन्तु कजभभा॥
गठ॥ कदभुगीपलभामकमीगीज्जुभपिय ०६॥
काविदुर्भवलमगतिरुर्भवलम॥ भाउद्विनीवग
देदभउभाउद्वगामिनी॥०७॥ दिभादेभगतिदेभीदेमे
हुलमिरेरुद॥ प्रलमद्भुभापीमुंभाभिउभृमृभज्ज

अल ०३ ॥ भमीमलेपनीलेपभलेपलेपकशि
या ॥ मलिनीमल्लदभुमएलभुएलमेवडा ॥ ०० ॥
ऊनमेइवनिकमीभषगकपुवडिक ॥ मयेष्टुगि
कभायाडीऊडीऊकविशिया ॥ ७ ॥ रिपधुगपुमेयागके
मभुकेमवभिनी ॥ केमिकीडऊमावडाकेमभुके
मवचिनी ॥ ७० ॥ केमपपदुकेमाकीकेमभुऊमभ

८
०७

प्रिया उतलमउलकेरिः कुलभकेरामय ॥३३॥
भुवभुगभुङ्गपमभङ्गपङ्गप ॥ वरिनी उलभिनीभु ॥
किङ्कमठलमठलमयिनी ॥३३॥ भदकेमीभदवडु
वडिः ममभमडिङ्क भदगुददगभेभुविमेकमे
कनमिनी ॥३४॥ भद्विकीभदभेभुमगलभीमगले
वडु ॥ उभभीमउमेवङ्गगुलइयविठविनी ॥३५॥ यह

वा ३६

ऊहऊऊपमवेमविहममाभवी॥ मङ्गरकल्पिनीक
ल्पभनः मङ्गल्यभनुतिः॥१५॥ भवलेकभयीमक्तिमच
मवल् गोमग॥ भवपूत्रवरीवासुभचउडुववैठिक॥११॥
एगरीमभपुत्रिमभुप्रावभुउगीयक उभमरगतिमर
भमिगभेदमरिली॥१३॥ पानडुमिपानपाइपानमनक
मेहउ सुप्रलरुल्नेरमकिप्तिमहऊठधिली॥३०॥ सु

६
१०

माधुर्यममीकामरुहमीक्रियुलिङ्ग नगवल्लीशगक
टुठेमीनीठेगवल्ली ३० भवसाभुवगीविन्दुभम्भुठिचम
वामिनी मूठिः मूठिपाएषुमेष्टुपडलवामिनी ३१ भी
भंभउकुविन्दुमभठक्रिकवङ्गला भनठिदाउनएठि
नभ्मीगठववलिङ्ग ३३ नगपासणभुठिगणनगऊ
भुला भमरुमरुभष्टुमरुके न्विवामिनी ३४ ॥

भवभक्तमयीविष्टभवभक्तकवलिः॥भवभक्तभवती
मदुभक्तमदुभक्तलक॥३५॥भवभक्तलभक्तमदुभक्त
लवभक्ति॥भवभक्तलवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥
भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥
भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥
भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥
भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥भवभक्ति॥

८
७०
मृगम नैवे

वेदिनी दुभिगहम कलकुः कलवतिनी कलकुगदिउर
गीमउधधु ठिः वरी ॥ २० ॥ एगिल्लमणील्लवभुमउउर
ववन्नरु मृगमगतिः श्रीतिगतिगगविवतिनी ॥ २० ॥ पद्मवा
उगातिठिवा पद्मस्यमयण ॥ पद्मपिउवरीमक्तिः पद्मभु
नववेतिनी ॥ २१ ॥ उमहमठधभुतीवदिः प्रभविनी
इद ॥ गणः मुहणमक्तिहणवृत्तहणविनी ॥ २३ ॥

इकलल्लिलिङ्गमरिभुडिपुवामिनी॥ अगगामि
वउडुमकभउडुनगगिनी॥ २२॥ प्रमृवगीप्रतीमीदि॥
गुमीमीदिमिमिमिमा॥ अदल्लिरदल्लुगालभाय
वलिप्रिया॥ २५॥ भूङ्गुवामभिणीमभमृङ्गुमृङ्गुव
भउभउभदीङ्गुःपिङ्गुमउपिङ्गुभदी॥ २६॥ अथमदि॥
दिनीपरीपेरीनशीमिमुप्रिया॥ भुनमभुनमगमविमुये॥

निःभनवृयी॥२॥ मिशुङ्गपणमेलामेलाहीरुठिनकिनी उवमी
कमलीकेकविमिपामिपिवडेकी॥३॥ पड्डपणरिणीपड्डकाळे
पड्डवडिनीलकुपाधिकालकुलहुममुठलक्र॥४॥ १०॥
वडिनीभपषमाणपणिपमाणनिकडिः शकभवलयवेल्म
दामममकेदमे॥५॥ पेधनीमेधनीमजिःगीउकेसीभलेभ
मा॥ ललिउभांभलाउचीवेम्बेरपणरिणी॥६॥ नगभ

कानमडमनमभङ्गिभित्तुपठ ॥ अङ्गक्रीडगतिः मरीम
 रिकमुकठधिली ॥ ५१ ॥ मभुगीगानदीविह्वलनीवकठ
 सिता वगनीभङ्गदभगमंसेकु उवभनुरा ॥ ५२ ॥ भीनभुति
 पामुडवपट्टपुति भामिया ॥ अमुडानिठिउपमभलि
 गभमिलामुमिः ॥ ५३ ॥ अतिः मंभुगडुपाममुमंभुगम
 मंभुतिः ॥ अतडमंमठधमगाषगीतिः ५४ ॥ लिङ्क ॥ ५५

६
१३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ भगवत्पुत्रोऽयं
लक्ष्मणः किञ्चिदुत्तरीयं विना ॥ ५६ ॥ सुभद्रायाः कन्यायाः
कन्यायाः सुभद्रायाः कन्यायाः सुभद्रायाः कन्यायाः ॥ ५७ ॥
विषयः सुभद्रायाः कन्यायाः सुभद्रायाः कन्यायाः सुभद्रायाः कन्यायाः ॥ ५८ ॥
सुभद्रायाः कन्यायाः सुभद्रायाः कन्यायाः सुभद्रायाः कन्यायाः सुभद्रायाः कन्यायाः ॥ ५९ ॥
सुभद्रायाः कन्यायाः सुभद्रायाः कन्यायाः सुभद्रायाः कन्यायाः सुभद्रायाः कन्यायाः ॥ ६० ॥

विविक्तमेविनी प्रह्लादप्रसिद्धमूर्तिः ॥ निरीदममममे
कमवलेकैकमेविता ॥ ५० ॥ मेवमेवप्रियामेवामेवदल
विविचिनी ॥ कलेकलिप्रियाकलीरूपमेकवितामिनी ॥ ५०
प्रह्लादप्रसिद्धमूर्तिः ॥ प्रह्लादप्रसिद्धमूर्तिः ॥ प्रह्लादप्रसिद्धमूर्तिः ॥
मलिममउवाम ॥ ५१ ॥ वीरकुवीरभक्तमवीरभुवीर
नकिनी ॥ एयमीलयमीकमण्यमण्यवतिनी ॥ ५३ ॥

८
१२

मौरुगुभरुगकरभवमौरुगुवचिनी क्रमदुगीमिद्विउ
पामकौदुःपविमेव॥५॥ भवउीउमयी भुदुःभवमेव
भयीपूठ भवमिद्विपूठमक्तिःभवमपूठमपूठ॥५०॥
भवमपूठमपूठलीमिवभवउभापकी मरुदरुभुके॥
गौरायलिनेभुउ॥ पृष्टंभदभुनभेकमभुयनरु
ठविउभा मउचनेपूठमहंनरिक्केनपूठमिउभा०॥

नतः पातयेपुं नतः पातयः भुवः नतः पातय विदु
अतः नतः पातयमा ॥ १ ॥ उतः नतः पातय विदु
प्रतिनतः ॥ एकनतं भुवः निदं यज्ञयति भदे सुगीमा ॥ ३ ॥
मेव नतं मेव नतं यावद्भुवः प्रतिनतः ॥ उतः नतः पातय
लेके भुवः विदु भुवः ॥ ४ ॥ नतः मेव पातय विदु
पुनः नतः विदु ॥ इलेके भुवः नतः पातय विदु
पुनः नतः विदु ॥

ॐ
७५

ॐ त्रिमूर्ति द्यामल उन्नतिके सुमं वा नमः पूजयेत्
वनीनममदं मममापुमा ॥ एषु पापदमेतंतल
करं मभुलिउं मीकरं ॥ एतं भानकरं नतं नकरं मे
भुधितं मिद्विदं ॥ गीतं भनगिवगिदुतं पूतनतं
पापपदुदुय ॥ नननं नवलीति नननकरं मिद्वि
सुदं पातुनः ॥ भायऊदलनीदि द्यामपमजी

यविष्णुयमनमः॥ नमःभवमेतत्किमितिभव॥
यमनमः॥७०॥ वदलगाभविमुद्गुडौठवायनमेन
मः॥ पूरलतममेतद्गुदगयनमेनमः॥ एनमः॥
एतत्तमेद्विजोभदयनमेनमः॥ पूमदमिपमेनि॥
मुगुष्टमिवायनमेनमः॥७१॥ तपपरि॥ तिमोतः॥
लोमवमुंक्तमे॥ क्कमतवगु॥ भीमेलडिनीममुद्गु

म
००

तिः॥ॐतिथकिउमभकीतहभंरुजिगण॥द्वरप॥
यत्नयेमेवाकपधेपदरभा॥३॥भरकुणगत
रेमेरसितभृदुभौलेः॥प्रसितगुलभदिभृल्लुनक
नहभुतेः॥भकलगुलवरेहः॥पधमत्राणिण
ने॥वृमपलपुवतेः॥मुइमेउदुगीयः॥३॥ऊभ
भममननभाभचगवचगणः॥मिसुपरवरभौ

लेखेवमेवभूतमः॥ भगुननिणभदित्रैरुभुप
कभवेष्टा॥ भवनमिदमकदीमिहदिवभदि
भुः॥ ३५॥ भगुनभकिपुणभुनमेकैकदेउ॥ ५०॥
डियमिभनहः॥ प्राप्नुलिङ्गवृमैडः॥ वणमिमिव
मभीपंकित्रैमुयभानः॥ भवनमिदममेयं
पृथग्भुप्लीउभा॥ ३५॥ भूमिउगिरिमभेभृ

५
००

जकल्लंभिनुपाइ॥ भगवत्समापत्तापित्री
पद्मवी॥ लिपि त्रिगुणदीप्तामरमभवक
लं॥ उदपितवगुणवभीमपात्रेयति॥ ३१ अद
रदरल्लविष्टं प्रलोकः भुवनेतता प० त्रिपरभरु॥
कुसुमु यिदुः पभातः॥ भरुवतिमिवलेकैरु
भभृमुषा॥ भगवत्समापत्तापित्री कीर्तिभद्रवेंद्र

३३

श्रीपद्मसुभक्तपद्मएतिजडेनमेइलकिलि
षदरेलदरपिये ॥ कदमिउतेनपठितेनम
भावतेमप्रीलिउतेरुवतिहुडपठिदमः ॥ ३७
मीकासनेउपभीकुंलुने ॥ ये गापिमडि
या ॥ भदिभुभुवपा ० भुकलानाउतिमे
रुमीभा ॥ ४ ॥ भदेमानपरेरुवेभदिभु

म
०९

नापरमुवः॥ अथैरात्रापरैभवेनाभितुं गुरैपरभा
८०॥ एतमुएयभात्रभृगुभृममैदिनः॥
भाकुउउऊलेणमयउमंकुवैवतभा॥ ८१॥ मि
वभादमिवमष्टमिवमत्रैमभवत्॥ भवेधमि
वठऊऊनंनराउमभुवःमिवभा॥ ८२॥ उतिमी
पृथग्नामादविमिउंमदिभुःपादेमभापुं॥

[illegible]

मि
०

लुपामिं भमममपुमिं भुंरववामनरुपयुजं ॥ न
भुंभालेवनभालिनंम ॥ रुंरंम ॥ म ॥ लिपुसिउं वैभमि
लातिउंमउभमिउं वैकभलातिउंम डिंलेमनेमिहवि
लेमनेम ॥ रुंरंमवि ॥ प ॥ कभपुंरंमभमनमिनेमपु
गभरपुंरुमिभरुंरंम ॥ रुंरंमदेववरपुंरंम ॥ रुंरं
मवि ॥ ५ ॥ वधामिडुंरंमरुंरंमिडुंरंमरुंरंमपुंरंम

पुमुनंम॥ सुउंमपीउंमदरंदरिग॥ रुदंम॥ १॥ मन्त्र
नगोरंभलिग्मनीलेयैगीसुरंभचएगद्गवीमं ॥
ठम्भपियेकैमुठकुपेलेम॥ रुदंमवि॥ ३॥ येनद्वि
ल्लुम्भउंभरतिरुक्कुमलेकैपियेउंमतद्व॥ उंभन
पापेनठयेनमेकैभृदद्विष्णुः सुठरुप्रभासम॥ ७
उतिमीमिवविष्णुमुंमभापुम॥ ॥ सुठम॥ ॥

मि
७

उिनभःमिवाय॥ उिविस्वसुगयनकलवगय॥
एनप्रमयकम॥ उभाउभागगय॥ कदुगऊऊगवलै
दएएपायमरिदुदःपमदनययैउिनभःमिवाय०
गोरीशिययनिमिगएकलगायलैकउकयदु
एगापिथकदु॥ उय॥ गङ्गापायगए॥ नवभमन
यमरिदुदपमदनययैउिनभःमिवाय॥ ७॥ रा॥

शिष्यगुरुवभगवत्तमत्रयकभक्तकयकमलः शि
 शिष्यप्रणितय ॥ नमः शिष्यमुकलक ॥ भूमिडय
 गुरुद्वन्द्वमदनयतिनमः मित्रय ॥ ७ ॥ कजिः शि
 ययगुरुवभगवत्तमत्रयकभक्तकयकमलः शि
 लवय ॥ उल्लेभययनिपिलाङ्गभूमिडय
 गुरुद्वन्द्वमदनयतिनमः मित्रय ॥ ८ ॥ पद्मनय

मि
७

कृष्णिगणविदुषश्च यवनायवनाकलमयविदु
रिमय॥ देभामुकयकुवनयवचिडाय॥ गरिदुदःप
मदनयतिनमःमिवाय॥ ५ ममभुगयमिडठमवि॥
लेपनायचलेकश्चयमलिज्जुलमदिडाय॥ म
प्रीगपामपगलवकापमुणयगरिदुदपमदनयति
नमःमिवाय॥ ६ गमभिययगपुनसवरःधमयएन

प्रियायतिगिराणभुः प्रियायप ॥ यप ॥ मरिउ
यभगप्रिउय ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥
भुजययल्लुल्लमयग ॥ सुगयगीउप्रियाययप ॥
मसुगवादनय ॥ भुजययल्लुल्लमयग ॥ सुगयगीउप्रियाययप ॥
मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥
मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥
मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥ मरिउ ॥

मि
८

भाषणमाप्रयत्न ॥ वभिष्टेनतउं भुईमचगेगनितउ
नभा मचकमभंमं नुं दहके एविनमने ॥ ३३ मि
मिवमुं मभापुमा ॥ ३३ मिवाय ॥ ३३ गलेकलिउक
लिमभक एउं मठलभुले विनमिउ एउं पुं पुक
एिपलिपावेरुद ॥ ३३ मभिउकपालकं एअनमे
मिभरुमउ ॥ ३३ विपाएनमनरुं किमपिपभवरुमद

कथं परिपरिभुग्गं एव लणभणभसिघा ॥ ऊवेरगिरि
मोरिभप्रव ॥ गठिचभनभा ॥ कृमिदुनरुभाऊमे ॥
पमिउऊऊमैरुद्धिं ॥ गणएिचविगणिउंवाएिचरुद्ध ॥
कीएंरुए ॥ ३ ॥ उमिदुनविलेमनइयविभदुनएिउिधा क
लकरकलकरहउिकरे ॥ गानुद्धिधाभा ॥ विकभिउ
एएलीविदर ॥ इवपेल्लभग ॥ उगभरउरुद्धिनीउर

मि
५

प्रहमीरुभरुभा॥३॥ विदुधलभगभगसुमिउगलवल
वलीवलगवलयमीकरुकरभेकभेवकिउ भदेसुरभु
रुहभभुएउभल्लएभल्लगी॥४॥ भल्ललललभुमाडीमरु
किउकुयामिभभा॥५॥ तदिविधयभल्लउिधुगिनिवडि
उकावले॥६॥ भभापिकलिउइतःपसुपडेविमेधाइतः
मिरःभभभरिउएकुएिलकल्लकल्लइभे॥७॥ विमक

उकलामदं वभविभमृभानं ठले ॥ ५ ॥ दुमीयभगवादिनी
विभलवारिणगवली ॥ एएगदनगादेनीभडिगियेभ
भङ्गभउ ॥ उपेउमभरिउएविएपिउएवीधेनुग ॥ उभभि
परिषडलभमलभलिकठपुठे ॥ विदयकभलालप
विलभिउत्रविदुगनली ॥ विदभुत्रपडलिभविदरभवि
उउंभनः ॥ कपडिगिउभुठ-डीरभलपडभुठभले ॥

मि

कलीउएएठवजकगएिममिबुदलि॥१॥ठवगठवव
सेदलीभाएगमिदिमममदति॥इएगभुजएकेएकिमभ
वममिदिमिसेउ॥ठएभठवमविकंप्रतीउमेहपोमामि की
किमिहपरमंपमंप्रमवतवतवमभदे॥३॥इममनपर
यनप्रमवकहकाललिउ॥प्रमनमकलमभकिमपिमैल
भमामदे॥गलउलविउमिकमयिउमिहुभीमतिनी

श्रीकीलभमनेभनेरभमनेरभमनेर॥७॥एउउर
 याउभेविषयचिलभेभने॥भनेठवकषाभुभेनग
 भनेरषाडिपुङ्ग॥भुगडिउरउंमिनीउएउएगिरकेऐ
 वभनानयेमिवठवगनिमंठवठवनिप्रएपा॥३३मी
 लङ्कसुगविमिउंममपूवभुङ्गमभापुमा॥॥॥
 तिनभःमिवाय॥॥गोगीसुगयकुवनभुयकर॥॥य

मि
१

ठुकिपि वरुवणी ठिकि मेरु वय ॥ मरु यदपम
भनय वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु
वरु ॥ १ ॥ भवे सुगुरु भठिक भम यिन उभा पठि ह्रम
ठिमे चर उभा ॥ विडे मरु ह्रम ठि यद व भम भठि व
उर गा यन भः उप भिने ॥ १ ॥ ठि करे ल विदी न भ
नि ह्र भठि प्रमे उभा ॥ उप इय यि उभ ह्र ल उ

कमलदेसुर॥३॥ कष्टेनानविपैपैयमभट्टविण
यके॥ उममेनीयमानभट्टलंकुनमदेसुर॥४॥
कष्टेनानविपैपैयमभट्टविणयके॥ उममेनी
यमानभट्टलंकुनमदेसुर॥५॥ कष्टेनानविपैपैय
मभट्टविणयके॥ उममेनीयमानभट्टलंकु
नमदेसुर॥६॥ कष्टेनानविपैपैयमभट्टविण

मि
३

तथा इमीनमिउभृदलं जुनमदेसुर ॥ १ ॥ दधुभृत्तध
मिउभृमेधुभातोप्लितभृद ॥ शुनमभृलगात्रधृदलं जु
नमदेसुर ॥ ३ ॥ भंभरपमरुद्वत्तुनपीदितभृमेदच
कंरविधयेधुनिपातितभृ ॥ कभारितभृरुयगागपि
लेतउभृमीनभृमेजुनरुयं परलेकनम ॥ ७ ॥ मीने
मिभरुपिधलेमिनिगमयेमिदमेमिभाप्रएन ॥

उपरिवलिउंमि॥ इमेमिदुगउमेमिगउउपे
मियमेपुउंमिविकलेमिगउउपेमि॥०॥
हीउंमिरुगउमेमिरुयनेकमिसुमउहउ
काकुलयेउंनेमि॥ गगमिरेधनिकमैपमेतउं
मिमहमिमोगनियमेपरिवलिउंमि॥००॥ एम
एवीइमलभमउपेमिउंमिनिहमयेमिमउले

मि

भिमभमभुमेभि॥ सुमानिरद्रुमपिसामिकय॥
 दिउेभिदभेभिदपमुपउेस॥ गउेभि॥ ०३॥
 ददउेभिविनष्ठेभिरुगुेभिमपलेद्रियैः॥
 रुवउेभिरुपमयेभि किंइउेभमनदभि॥ ०३॥
 ददउेभिविनष्ठेभिरुगुेभिमपलेद्रियैः॥
 रुवउेभिरुपमयेभि किंइउेभमनदभि॥ ०३॥

यदिनामिभदपययदिनामिठयत्रितः॥ यदिने
मियभंउपुउउकेउमयनेमये॥०८॥ सुतेभउमम
मिनटुउतेनटुः नपापाः॥ उलुयेवावयेदेगः॥
कषेनसुनपादिमभा॥०५॥ सुकलयामुनपल्॥
भुवगंमिभइल्ले मिनसुनदठित्रनएकव
सुदुप्रठेयदिमयेकुनपेनमेइइउः पंगेकषयकेम

मि
०१

ॐ नमः ॥ ०१ ॥ सुखे दं भवण कृतं वत्तु जं म ॥
विमेषतः ॥ भद्रा जवत भूमव भूमि भद्रा कषय ॥
भित्ति ॥ ०२ ॥ भद्रा पिड विदीन भद्रा मेक भद्रा भूम सुमा ॥
पमति रगपा सुधं यत भूम ॥ ०३ ॥ इमेव भद्रा गपिड ॥
इमेव इमेव वत्तु गगन इमेव ॥ इमेव विष्ट इविल ॥
इमेव इमेव भवे भमव भुमेव ॥ ०४ ॥ इमेव इमेव भद्र ॥

देवमरुतगुडवृक्षल॥ ननुभुङ्गामिभेकस्त्रिगुडवृक्षल॥
परमेश्वर॥४॥ ठीउमिभिकलवमगेमि निगयेमि॥
पिनेमिदःपएलमेपडिउमिमभे॥ सुडेमिमिभेद
पएलेनमभादउमिउंमदुमुदुमरलेमभपा॥
गडेमि॥५०॥ सुमिपुतुनिभयेमिदुभुरेवक
दमे॥ प्रभीदतपयामभेपादगुलेदुभुभुभा

मि
००

मृदुमठवठीऽभुठगवर्ग कनऽगिग ॥ उषऽऊन ॥
यषऽकुयेन नगऽउठवऽपरऽ ॥ ३३ ॥ भभयमउविलपुं
ठजिदीनंऊमेलं ॥ भलिनवभनगाऽनिग्रयं पापमी
लभा ॥ गविणऊटिलठीरिं गेगिनं प्रपुदगं ॥ पलए
न परिदुउठक भंभचमऊः ॥ ३४ ॥ सुपत्रेभिभमगट्टे
भिभचवमे, भिभचम ॥ ठगावेभुं प्रपत्रेभिभग

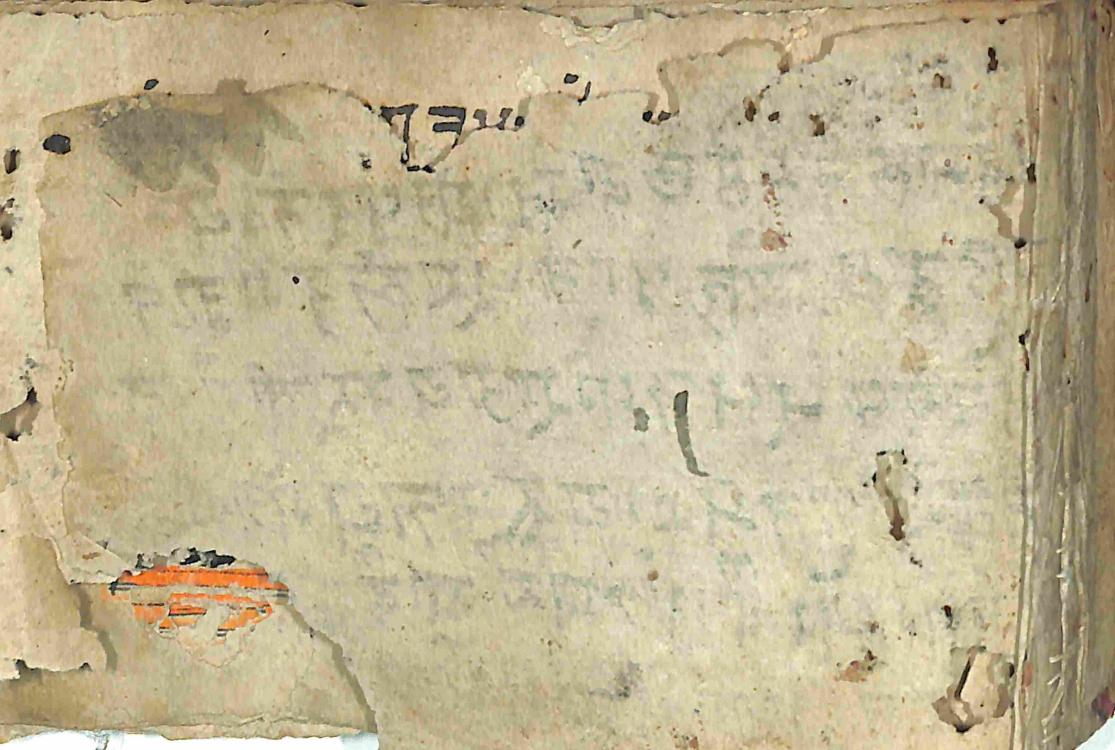
भांभवमङ्ग॥७॥ सुपत्रेभिर्मरुदेभिर्मववभुभि
भवम्॥८॥ गवभुं प्रपत्रेभिर्मरुदेभिर्मववभुभि
७५॥ एतभृएयभानभृगहभुभपिमिदिनः॥ भुङ्गु॥
उरुजलेणमयमभे वमैवग॥७६॥ मङ्गुभृमयेरु
कुमाउउङ्गुभानभः॥७७॥ उषांभभृमभेदेकुयगए
मत्रिणमत्रि॥७८॥ नभभृगमिमैयङ्गमिवउरुभृमय

ॐ मिह मिहं राग दुमिहं उर पि न
वुं प्र म म उ प्र क ल म लि दि
उ म उ ली न दि न दि ग क उ म
र क उ ली ठ रा मे वि न

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ श्रीग नैमाय नमः ॐ अथ सूत्र
पाश्चात्यपूति ॐ नं ॐ ठम वं ॐ नय नैव
मयं यामे गृहं पुनम नै ॐ मयि म प
ठुते अय्य ॐ भति व सने ठम वति अ
मय्य मय्य यनि अम ॐ भुमी य नि
ॐ ठ व य स नै नम ॐ ॐ

भद्रि
 वरु
 गुरु
 भि
 वरु
 भि
 भि
 भि



[illegible]

इष्टमेव विधिः प्रथमः ॥ ३० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दण्डपतिमुद्राः ॥ ३१ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
विष्णुमयः ॥ ३२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
शिवमयः ॥ ३३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ब्रह्ममयः ॥ ३४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
राममयः ॥ ३५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कृष्णमयः ॥ ३६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वैष्णवमयः ॥ ३७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
देवमयः ॥ ३८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]







Handwritten text in Devanagari script, likely a library or collection label, written on a separate piece of paper attached to the right side of the painting. The text is written in a cursive style and includes the following information:

संख्या १०५
दिनांक १०/१०/५०
स्थान १०/१०/५०

